संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 346-गुरूवार 23- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महागठबंधन में सीटों पर तनातनी बढ़ी

लालू-तेजस्वी से मिले अशोक गहलोत,कहा...ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी,सब साफ हो जाएगा

पटना,22 अक्टूबर 2025। बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन में कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीटों और साझा घोषणा पत्र को लेकर खींचतान बढ़ गई है। मामला सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पटना भेजा है। गहलोत बुधवार सुबह पटना पहुंचे। उन्होंने आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव और लालू यादव से उनके आवास पर एक घंटे मुलाकात की। गहलोत ने कहा, हमारी लालू जी और तेजस्वी यादव से अच्छी बातचीत हुई है। कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी और सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हम एनडीए के खिलाफ मजबूती से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मिलकर चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। बिहार में कुल 243 सीटें हैं, और कभी-कभी 5-7 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हो सकता है। हम साथ मिलकर प्रचार करेंगे और चुनाव जीतेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने भी तेजस्वी से बात की है।

पप्पू यादव बोले- राहुल गांधी के चेहरे पर लड़ेंगे तो जीतेंगे

महागठबंधन में अब सीएम फेस को लेकर खींचतान जारी है। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा, बिहार की जनता राहुल गांधी के चेहरे पर चुनाव लड़ना चाहती है। राहुल गांधी के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे तो हम इंडिया गठबंधन की सरकार बना पाएंगे। महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे तेजस्वी यादव पर कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, सच है कि लोकतंत्र में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री संख्या बल के आधार पर चुने जाते हैं। आरजेडी के पास वो संख्या बल है। इस बात को हम कितने दिन झुठला सकते हैं। कहना ही पड़ेगा कोई विकल्प नहीं है।

तेजस्वी के 3 चुनावी घोषणाएं

तेजस्वी ने बुधवार को सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गठबंधन पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- गठबंधन पर आज बात करेंगे। 12 सीटों पर महागठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने चुनावी ऐलान भी किए।

- **पहला**-सीएम जीविका दीदियों को सरकारी कर्मचारी दर्जा दिया जाएगा। इनकी सैलरी 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए महीने की जाएगी।
- **दूसरा**-सभी संविदा कर्मियों को स्थायी किया जाएगा।
- **तीसरा**-हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा...तेजस्वी जनता के साथ मजाक करना बंद करें : बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, तेजस्वीजी को बिहार की जनता के साथ मजाक करना बंद करना चाहिए। नीतीश कुमार की सरकार के सत्ता में आने के बाद, बिहार में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। हर घर शौचालय, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मुद्रा योजना, लाखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं पिछले 10 सालों की हमारी सोच का प्रमाण हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए,एनडीए और नीतीश जी का दृष्टिकोण व्यवस्थित,निरंतर और व्यावहारिक है। तेजस्वी जी ने कहा कि वे 10 लाख नौकरियां देंगे, लेकिन इसका असली मतलब है कि वे 10 लाख रुपये में एक नौकरी देंगे। इसका मतलब है कि अब वे नौकरी के लिए घर और संपत्ति लेंगे,जैसे पहले वे नौकरी के लिए जमीन लेते थे।

मोहनिया सीट से आरजेडी उम्मीदवार का नामांकन रद्द

बिहार की मोहनिया सीट से आरजेडी उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार यूपी की मूल निवासी होने के चलते उनका नामांकन रद्द हुआ है।

भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा... राजद की जीविका तो लूट और हत्या

राजद नेता तेजस्वी यादव की घोषणाओं पर भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा,जो व्यक्ति भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर बाहर है,वही कह रहा है कि भ्रष्टाचार हुआ है। महागठबंधन में अंदरूनी कलह चल रही है, जूते चल रहे हैं, और अब उनकी (तेजस्वी यादव की) नींद खुली है कि वे बिहार बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा,लालू-राबड़ी राज के 15 सालों में बिहार ने 'जीविका' का 'ज' भी नहीं सुना था और आज उन्हें जीविका याद आ रही है। राजद की जीविका तो लूट, हत्या, अवैध शराब और बालू का कारोबार है। और यह बात सच है कि बदलाव होगा। इस बार उन्हें (राजद को) पिछली बार की 21 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केरल के सबरीमाला मंदिर में की पूजा-अर्चना

केरल में राष्ट्रपति मुर्मू का हेलिकॉप्टर गड्ढे में फंसा

पथानामथिट्टा,22 अक्टूबर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी चार दिवसीय केरल यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के दर्शन किये। उन्होंने यहां संपूर्ण विधा-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान अयप्पा से देशवासियों की सुख-शांति के लिए कामना कीं। हालांकि,इससे पहले उनका हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया। हेलीकॉप्टर के टायर हेलीपैड में मामूली रूप से धंस गए। इस घटना में किसी को कुछ नहीं हुआ। राष्ट्रपति सुबह-सुबह पंपा पहुंचीं, पवित्र नदी में स्नान किया और पंपा गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की, जहां उन्होंने पारंपरिक केट्टुनिरा (इरुमुदिकेट्टु भरना) की रस्म निभाई। सबरीमाला मंदिर जाने से पहले उन्होंने इरुमुडी बांधने सहित अन्य पारंपरिक अनुष्ठान पूरे किए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज केरल के सबरीमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की और समस्त देशवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि कीं। पारंपरिक काले परिधान पहने और इरुमुदिकेट्टु को हाथ में लिए राष्ट्रपति ने पवित्र 18 सीढ़ियां (पथिनेट्टमपदी) चढ़ीं और कड़ी सुरक्षा के बीच भगवान अयप्पा के दर्शन किए। केरल की चार दिवसीय दौरे के तहत उनकी इस ऐतिहासिक यात्रा को प्राचीन परंपराओं के प्रति श्रद्धा और महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समानता के एक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। भगवान अयप्पा के पवित्र पहाड़ी मंदिर की राष्ट्रपति की तीर्थयात्रा की योजना सुरक्षा प्रोटोकॉल और मंदिर की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक बनाई गई थी। राष्ट्रपति की यात्रा के लिए सबरीमाला और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई थी। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) और केरल पुलिस ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षा की कमान संभाली। सुरक्षा के लिए भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। उधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ले जा रहे हेलीकॉप्टर को पथानामथिट्टा के कोन्नी के प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय एक छोटी सी दुर्घटना का सामना करना पड़ा। लैंडिंग के बाद हेलीकॉप्टर के टायर हेलीपैड की ताजा बिछाई गई कंक्रीट की सतह में मामूली रूप से धंस गए। हेलीकॉप्टर को निलक्कल में उतरना था,लेकिन मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण लैंडिंग स्थल को प्रमदम के इनडोर स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया। नए स्थल पर हेलीपैड का निर्माण आज ही सुबह किया गया था।

ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा लेफ्टिनेंट कर्नल बने

पानीपत,22 अक्टूबर 2025। ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) बन गए हैं। बुधवार को दिल्ली में अलंकरण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उन्हें उपाधि दी। इस दौरान उनकी मां सरोज देवी,पिता सतीश चोपड़ा,चाचा भीम चोपड़ा और पत्नी हिमानी मोर भी मौजूद रहीं। हरियाणा में पानीपत के रहने वाले नीरज चोपड़ा 26 अगस्त 2016 को सेना में नायब सूबेदार के पद पर भर्ती हुए थे। 2021 में उन्हें सूबेदार बनाया गया। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्हें सेना द्वारा परम विशिष्ट सेवा मेडल प्रदान किया गया। 2022 में नीरज को सूबेदार मेजर के पद पर पदोन्नति मिली।

14 मई को टेरिटोरियल आर्मी में दी गई थी उपाधि

भारतीय सेना ने 14 मई को नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी थी। नीरज को यह सम्मान खेल में असाधारण योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी कमिटमेंट के लिए दिया गया था। राजपत्र के मुताबिक यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई थी। नीरज चोपड़ा दुनिया के नंबर-2 जेवलिन थ्रोअर हैं। वे भारत की ओर से लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में मेडल जीत चुके हैं।

वरिष्ठ अंतरिक्ष वैज्ञानिक,पद्म भूषण डॉ. एकनाथ चिटनिस का निधन

मुंबई,22 अक्टूबर 2025। वरिष्ठ अंतरिक्ष वैज्ञानिक और पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. एकनाथ चिटनिस (100) का बुधवार को सुबह दिल का दौरा पड़ने से पुणे में स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। डॉ. एकनाथ चिटनिस पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके परिवार में उनके बेटे डॉ. चेतन चिटनिस,बहू अमिका और पोती तारिणी और चंदिनी हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गठन में डॉ. चिटनिस का बहुत ही बहुमूल्य योगदान था। केरल के थुंबा में भारत के पहले रॉकेट प्रक्षेपण के लिए स्थल चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1981 से 1985 तक,उन्होंने अहमदाबाद स्थित इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के दूसरे निदेशक के रूप में कार्य किया। डॉ. चिटनिस को तत्कालीन उभरते वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का मार्गदर्शन करने का भी श्रेय दिया जाता है। उन्होंने 1970 के दशक की शुरुआत से डॉ. विक्रम साराभाई के मार्गदर्शन में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने देश के पहले दूरसंचार उपग्रह इनसैट के निर्माण व श्रीहरिकोटा में रॉकेट प्रक्षेपण केंद्रों के लिए स्थलों के चयन में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

वन क्षेत्र के मामले भारत विश्व में 9वें स्थान पर

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2025। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा बाली में जारी वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (जीएफआरए) 2025 के अनुसार भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व में 9वें स्थान पर पहुंच गया है। केंद्रीय पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। यादव ने बताया कि पिछले मूल्यांकन में भारत 10 वें स्थान पर था। उन्होंने बताया कि देश ने वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भी दुनिया भर में अपना तीसरा स्थान बनाए रखा है जो सतत वन प्रबंधन और पारिस्थितिक संतुलन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय प्रगति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की सफलता को रेखांकित करती है,जिनका उद्देश्य वन संरक्षण,वनीकरण और समुदाय के नेतृत्व में पर्यावरणीय कार्रवाई करना है।

ऑपरेशन 'सिंदूर' में भारत से मिले आघात को पाकिस्तान लंबे समय तक नहीं भूल पाएगा : राजनाथ

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) की पुस्तक के विमोचन समारोह में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाओं के अद्वितीय समन्वय और एकीकरण को सराहा। उन्होंने कहा कि इसी एकजुटता के चलते भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त कर दिया। यह ऐसा आघात था, जिसे पाकिस्तान लंबे समय तक नहीं भूल पाएगा। रक्षा मंत्री ने पुस्तक सिविल-मिलिट्री फ्यूजन एज़ अ मेट्रिक ऑफ़ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी की एक प्रमुख बात पर ज़ोर देते हुए कहा कि सिविल-मिलिट्री फ्यूजन को केवल एकीकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक प्रवर्तक के रूप में देखा जाना चाहिए। यह फ्यूजन तभी संभव है, जब हम अपने सिविल उद्योग,निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत और रक्षा क्षेत्र को एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए जोड़ें। इससे हमारी आर्थिक उत्पादकता और रणनीतिक बढ़त बढ़ती है। राजनाथ सिंह ने मुख्य चुनौतियों की पहचान करने और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों को ध्यान में रखते हुए सैन्य क्षेत्र में नागरिक तकनीकी क्षमताओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नागरिक और सैन्य क्षेत्र धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं। प्रौद्योगिकी,अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा अब पहले से कहीं अधिक परस्पर जुड़ी हुई हैं। ऐसी परिस्थितियों में नागरिक-सैन्य संलयन एक आधुनिक चलन नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता बन गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसे अनदेखा करना रणनीतिक विकास के लिए अच्छा नहीं है। हमारी कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां अक्सर नागरिक उपयोग तक ही सीमित रह जाती हैं। दोहरे उपयोग की अवधारणा के तहत यदि इन्हें सैन्य अनुप्रयोगों में लाया जाए, तो हमारी राष्ट्रीय शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। आज दुनिया एक गहरे परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। जिस गति से वैश्विक व्यवस्था बदल रही है, उसी तेजी से युद्ध के तरीके भी बदल रहे हैं।

अब युद्ध सिर्फ सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, वे हाइब्रिड स्वरूप ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे निरंतर प्रयासों के कारण भारत का रक्षा क्षेत्र अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छू रहा है। एक दशक पहले घरेलू रक्षा उत्पादन लगभग 46 हजार करोड़ रुपये था,जो अब बढ़कर रिकॉर्ड 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें से लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का योगदान निजी क्षेत्र ने दिया है।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आज सुबह 8:30 बजे बंद होंगे केदारनाथ धाम के कपाट

रूद्रप्रयाग,22 अक्टूबर 2025। केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए आज सुबह 8.30 बजे बंद कर दिए जाएंगे। बाबा केदार की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली धाम से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी। डोली रात्रि प्रवास के लिए अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंचेगी। बाबा केदार की डोली शीतकालीन पूजा-अर्चना के लिए 25 अक्तूबर को ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान होगी। इसके बाद अगले छह माह तक बाबा केदार के भक्त इसी स्थान पर अपने आराध्य के दर्शन कर पूशा-अर्चना कर सकेंगे। केदारनाथ धाम में कपाट बंद करने की प्रक्रिया सुबह 4 बजे से शुरू हो जाएगी। मुख्य पुजारी बागेश बाबा केदार की विशेष पूजा-अर्चना करेंगे और अन्य धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जाएगा। इसके बाद बाबा केदार के स्वयंभू लिंग को समाधि रूप दिया जाएगा और तय समय पर केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे और ताला सील करने के बाद चॉबी ऊखीमठ के उप जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी। साथ बाबा केदार की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली मंदिर की परिक्रमा कर अपने अपने धाम से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर,ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी। केदारपुरी से रुद्रा प्वाइंट,लिनचोली,रामबाड़ा, भीमबली,जंगलचट्टी,चीरबासा, गौरीकुंड,सोनप्रयाग होते हुए बाबा केदार की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली रात्रि प्रवास के लिए अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंचेगी।

अरुणाचल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में उल्फा (आई) का उग्रवादी ढेर

इटानगर,22 अक्टूबर 2025। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई ज़िले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम- इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) का एक वरिष्ठ कैडर मारा गया है। उस पर असम के काकोपाथर में सेना के एक शिविर पर हुए हालिया हमले में शामिल होने का संदेह था। सेना के सूत्रों ने आज बताया है कि भारतीय सेना और असम राइफल्स ने उग्रवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिलने के बाद 21 और 22 अक्टूबर की मध्यरात्रि को एमएस-6 के घने जंगल क्षेत्र में एक समन्वित अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने समूह से संपर्क किया, जिसके बाद दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी हुई। सुबह होते ही सैनिकों ने असम के तिनसुकिया ज़िले के करदाईगुरी गांव से उल्फा (आई) के एक स्वयंभू सार्जेंट मेजर इवोन आसोम का शव बरामद किया। घटनास्थल से एक राइफल, एक आरपीजी राउंड और तीन रूकसाक भी बरामद किए गए। मुठभेड़ के दौरान उल्फा (आई) के पांच कैडरों के होने की जानकारी सेना को मिली थी, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाते हुए अन्य कैडर फरार हो गये।सूत्रों ने बताया कि संगठन की स्ट्राइक यूनिट का एक प्रमुख सदस्य था और उस पर 17 अक्टूबर को काकोपाथर आर्मी कैंप पर हुए हमले में भूमिका निभाने का संदेह है।

दिल्ली में छठ पूजा,यमुना किनारे 17 मॉडल घाट बनेंगे

सीएम गुप्ता बोलीं...श्रद्धालुओं पर दर्ज सभी पुराने केस होंगे वापस

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर 2025। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि राजधानी में इस बार छठ महापर्व को दिवाली जैसी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसलिए यमुना नदी के किनारे 17 मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं ताकि श्रद्धालु साफ-सुरक्षित वातावरण में पूजा कर सकें। पूरे शहर में करीब 1500 घाटों पर छठ पूजा होगी। सीएम गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सरकार का फोकस सफाई और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर है। इसके लिए सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। इसमें सांसद,विधायक और पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों के घाटों पर जाकर सफाई अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि यमुना किनारे छठ पूजा करने पर दर्ज सभी पुराने केस वापस लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 2021 में पिछली सरकार ने कई श्रद्धालुओं के खिलाफ धारा 188 (सार्वजनिक आदेश उल्लंघन) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। सीएम ने कहा कि इस साल दिल्ली के हर जिले में एक-एक मॉडल छठ घाट बनाया जाएगा। यहां मैथिली और भोजपुरी भाषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इस साल छठ पर्व 25 से 28 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

सीएम बोलीं...1000 से ज्यादा समितियों ने आवेदन दिए

पिछले साल जहां पूजा केवल 929 जगहों पर हुई थी, इस बार सरकार को 1,000 से ज्यादा पूजा समितियों से आवेदन मिले हैं। सभी समितियों को सरकार की ओर से सुविधाएं और व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए शौचालय, पेयजल, बिजली, रोशनी, चाय और सुरक्षा व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं की जा रही हैं।

सचदेवा बोले...दिल्ली में 1500 घाटों पर पूजा होगी

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने बीजेपी के एक और वादे को पूरा किया है, अब दिल्ली में छठ पूजा 1,500 घाटों पर होगी, जिनमें यमुना के किनारे बने घाट भी शामिल हैं। सचदेवा ने बताया कि करीब 1,300 कृत्रिम घाट अलग-अलग इलाकों में बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा 200 नई जगहों को भी जनता की मांग पर पूजा स्थल के रूप में चुना गया है। उन्होंने कहा कि पहले की आम आदमी पार्टी सरकार ने यमुना किनारे पूजा करने पर जो बैन लगाया था, वह अनैतिक था। बीजेपी ने उस समय यमुना की गंदगी और उस पर कोई ठोस कदम न उठाने को लेकर तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल की नाकामी उजागर की थी।

छठ पूजा का महत्व

यह चार दिवसीय पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है। इसमें व्रत, उपवास, स्नान और नदी या तालाब के किनारे सामूहिक पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व खास तौर पर बिहार,झारखंड,उत्तर प्रदेश और नेपाल के लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। दिल्ली में बसे लाखों पूर्वांचलवासी हर साल बड़ी श्रद्धा और उत्साह से छठ पर्व मनाते हैं।

भारत एस-400 के लिए 10 हजार करोड़ की डील करेगा

रूस से और मिसाइलें खरीदेगा,ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को गिराया था...

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर 2025। भारत अपने मौजूदा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए रूस से 10,000 करोड़ की मिसाइलें खरीदने वाला है। इसके लिए रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को 23 अक्टूबर को होने वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में मंजूरी दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। बताया गया कि इसने पाकिस्तान के 5-6 लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार गिराया। वायु सेना ने एस-400 को भारत की हवाई सुरक्षा रणनीति का गेम चेंजर बताया है।

नए एस-400 पर दिसंबर में डील हो सकती है : भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। ऐसे पांच सिस्टम्स की डील पहले ही हुई थी, जिनमें से 3 भारत को मिल चुके हैं। चौथे स्क्वाड्रन की डिलीवरी रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण रुकी हुई है। नई डील इनके अलावा होगी। दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के समय डील पर बातचीत हो सकती है। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था।

इंडिगो विमान की वाराणसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग,सभी यात्री सुरक्षित

वाराणसी,22 अक्टूबर 2025। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के बाबतपुर में स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतर राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बुधवार शाम कोलकाता से श्रीनगर जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के विमान को फ्यूल लिकेज की शिकायत पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। विमान के पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) वाराणसी से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर विमान को रनवे पर सकुशल उतारा गया। इस संबंध में डीसीपी गोमती जोन कार्यालय की ओर से बताया गया कि इंडिगो एयरलाइंस की विमान संख्या 6ई-6961 जो कोलकाता से श्रीनगर जा रही थी। विमान में फ्यूल लिकेज की शिकायत पर वाराणसी बाबतपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में कुल 166 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सभी को सुरक्षित उतार कर एयरपोर्ट के एराइवल हॉल में बैठाया गया है।

संपादकीय

पराली जलाने की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) दीवाली के बाद होने वाले घातक प्रदूषण से जूझ रहा है और इस बीच यह बात याद रखने लायक है कि इस वर्ष फसल अवशेषों यानी कि पराली को जलाने का वायु प्रदूषण में उतना अधिक योगदान नहीं रहा है। ध्यान रहे कि आमतौर पर ठंड का मौसम शुरू होने पर पराली हवा में प्रदूषण की एक अहम वजह होता आया है। 15 सितंबर से 15 अक्टूबर की अवधि में पराली जलाए जाने के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि 2024 की तुलना में इस वर्ष इस अवधि में धान की पराली का जलाया जाना काफी कम हुआ है। पंजाब और हरियाणा आमतौर पर इसके मुख्य दोषी माने जाते हैं लेकिन इन दोनों राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं क्रमशः 64 फीसदी और 96 फीसदी कम हुई हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश,राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में 19 से 45 फीसदी की कमी आई। यही वजह है कि इस अवधि में एनसीआर की हवा की गुणवत्ता 'मध्यम' से 'संतोषप्रद' रही है। राज्य प्रशासन इसका श्रेय ले रहे हैं और उनका कहना है कि उन्होंने विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन, जुर्माने के भय और बुनियादी ढांचा संबंधी प्रावधानों का इस्तेमाल करके पराली जलाने को हतोत्साहित किया है। परंतु मॉनसून की देरी से वापसी के कारण फसल में देरी हुई है और कई किसानों के खेतों में धान की पराली शायद अक्टूबर के अंत तथा नवंबर में निकले। ऐसे में राज्यों ने पराली की समस्या से निपटने के लिए जो उपाय अपनाए हैं उनकी परीक्षा बाद में होगी। पराली जलाने की समस्या से निपटने के सैद्धांतिक रूप से दो तरीके हैं। पहला,फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) जहां पराली का उपचार धान के खेतों में ही किया जाता है और रसायनों की मदद से उसे विघटित किया जाता है। हैप्पी सीडर्स जैसी मशीनों की मदद से किसान पिछली फसल के अवशेष के ऊपर आसानी से अगली फसल की सीधे बोआई कर सकते हैं। राज्य सरकारें सीआरएम मशीनों की खरीद पर 50 से 80 फीसदी तक सब्सिडी देती हैं।

दूसरे तरीके में पराली को खेतों से दूर प्रसंस्करण केंद्र ले जाना होता है जहां उसे पालतु पशुओं के चारे या बिजली संयंत्रों के ईंधन में बदला जाता है। परंतु दोनों ही तरीकों में अपनी-अपनी कमियां हैं। पंजाब और हरियाणा के बारे में कहा जाता है कि वहां पर्याप्त संख्या में सीआरएम मशीनें उपलब्ध हैं जो धान के तमाम खेतों में काम आ सकती हैं। परंतु पंजाब में केवल एक तिहाई किसान ही इनका इस्तेमाल करना चाहते हैं। उनकी इस अनिच्छा की वजह यह धारणा है कि सीआरएम मशीनें उत्पादकता को प्रभावित करती हैं और इनके चलते कीटों के हमलों की आशंका बढ़ जाती है। इस समस्या को किसानों को शिक्षित करके दूर किया जा सकता है। जहां तक दूसरे उपाय की बात है तो किसानों को अपने फसल अवशेष को अपने खर्च पर प्रसंस्करण संयंत्र तक ले जाना होता है। इस वर्ष दोनों राज्य सरकारों ने किसानों को भारी प्रोत्साहन देकर तथा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के साथ तालमेल करके उसके पानीपत में मौजूद एथनॉल संयंत्र तक आपूर्ति तय करके इस दिक्कत को दूर करने की कोशिश की है। अब इसमें संदेह है कि ये उपाय कितने लंबे समय तक टिक पाएंगे।

वित्तीय मुश्किल से जूझ रहे इन राज्यों के लिए इतनी उदार सब्सिडी को लंबे समय तक बनाए रखना संभव नहीं हो सकता। पराली जलाने पर दंड का प्रावधान है, लेकिन उन्हें लागू करना कठिन होता है क्योंकि किसान संगठन इसका तीव्र विरोध करते हैं। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि किसानों को सीधे नकद हस्तांतरण किया जाए ताकि वे सीआरएम मशीनें खरीद सकें, जिन्हें वर्तमान में सब्सिडी के कारण अत्यधिक मूल्य पर बेचा जा रहा है। लेकिन वास्तव में टिकाऊ समाधान यह है कि किसानों को धान जैसी जल-गहन फसलों की खेती बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें ऐसी फसलों की ओर मोड़ा जाए जो कम पानी की आवश्यकता वाली हों और जिनकी खेती की अवधि छोटी हो, जिससे पराली जलाने की आवश्यकता ही न पड़े। उत्तर भारत के राज्यों ने फसल विविधीकरण के लिए एकमुश्त अनुदान देना शुरू कर दिया है, लेकिन यह तभी सफल हो सकता है। जब किसानों को जीवंत और सक्रिय बाजार उपलब्ध हों। समस्या यह है कि इसके लिए कृषि बाजारों में गहन सुधार की आवश्यकता है, जिसे राजनीतिक रूप से प्रभावशाली किसान और बिचौलियों की लॉबी अब तक रोकने में कामयाब रही है।

बिहार चुनाव : मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं,दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे,जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

राहुल गांधी बनाम मोदी की सीधी लड़ाई में ही इंडिया गठबंधन को फायदा मिलेगा : पप्पू यादव

बिहार की राजनीति इस समय एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियाँ तेज हैं और माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंग चुका है। ऐसे वक्त में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद और जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव का बयान एक नई बहस को जन्म दे गया है। उन्होंने साफ-साफ शब्दों में कहा है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले राहुल गांधी को चेहरा बनाकर चुनावी मैदान में उतरता है, तभी जाकर असली मुकाबला संभव है और जनता को यह भरोसा मिलेगा कि विपक्ष उनके लिए एक मजबूत विकल्प है। पप्पू यादव ने इसे केवल रणनीतिक बयान नहीं, बल्कि जनता की नब्ज के अनुरूप एक ज़रूरी फैसला बताया। उन्होंने कहा कि इस बार की लड़ाई सिर्फ सीटों की नहीं है, यह विचारधारा, नेतृत्व और देश की दिशा की लड़ाई है। उनका कहना है कि यदि यह लड़ाई मोदी बनाम राहुल के रूप में तय होती है, तो इससे गठबंधन को न सिर्फ स्पष्ट पहचान मिलेगी, बल्कि वोटरों का विश्वास भी हासिल होगा। उनका यह भी मानना है कि राहुल गांधी अब एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने देश की आम जनता, गरीब तबके, पिछड़े वर्गों और युवाओं से संवाद स्थापित किया है। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से उन्होंने जो विश्वास अर्जित किया है, वह अब एक राजनीतिक पूंजी बन चुका है, और इसका इस्तेमाल चुनावी रणनीति में होना चाहिए। पप्पू यादव ने मौजूदा गठबंधन में चल रही खींचतान को लेकर भी तीखा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सीटों को लेकर जो सौदेबाज़ी चल रही है, वह जनता की नज़र में बिल्कुल गलत संदेश दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब कोई सीट कांग्रेस की है, तो वहां आरजेडी कैसे दावेदारी कर सकती है? उन्होंने इसे राजनीतिक लालच करार देते हुए कहा कि ऐसी मैत्रीपूर्ण लड़ाई से जनता भ्रमित होती है और गठबंधन की साख पर सवाल उठते हैं। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार की जनता अब परिपक्व हो चुकी है। वह अब जातीय समीकरणों और खाली वादों के जाल में नहीं फँसती। जनता साफ देख रही है कि कौन दल अपने निजी स्वार्थ के लिए लड़ रहा है और कौन वाकई बदलाव लाना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक गठबंधन के भीतर

पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय की भावना नहीं आएगी, तब तक जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल कुछ ताकतें अगर राहुल गांधी के चेहरे से डरती हैं या उन्हें आगे नहीं आने देना चाहतीं, तो वे न सिर्फ पार्टी बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ भी काम कर रही हैं।

पप्पू यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पहले से चर्चा करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा तय करने की कोई ज़रूरत नहीं है। बल्कि, इस समय सबसे ज़रूरी यह है कि गठबंधन पूरी ताकत के साथ एकजुट होकर बीजेपी के खिलाफ खड़ा हो और जनता के सामने एक वैकल्पिक राष्ट्रीय नेतृत्व पेश करे। उन्होंने कहा कि अगर हम पहले से सीएम के लिए झगड़ते रहेंगे, तो जनता को लगेगा कि हमें देश या राज्य की चिंता नहीं, केवल कुर्सी की चिंता है। इसीलिए मैं बार-बार कह रहा हूँ कि राहुल गांधी को राष्ट्रीय नेता के तौर पर प्रोजेक्ट करो, चुनाव जीतने दो, फिर मुख्यमंत्री किसे बनाना है, वह बात बाद में तय की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन के निर्णयों का सम्मान करेगी लेकिन यदि कांग्रेस को वह सम्मानजनक स्थान नहीं मिला जिसकी वह हकदार है, तो उनकी पार्टी कई सीटों पर चुनाव लड़ने से पीछे हट सकती है ताकि बीजेपी को हराने के लिए रास्ता साफ किया जा सके। उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 तारीख से अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया है और अब बीजेपी की पूरी चुनावी मशीनरी एक्टिव हो चुकी है। ऐसे में अगर विपक्ष ने अपने नेता और एजेंडे को लेकर देर की या अस्पष्टता दिखाई तो बीजेपी को सीधा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अभी से प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से विपक्ष को एक स्पष्ट दिशा मिलेगी और जनता को यह महसूस होगा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ नाम का गठबंधन नहीं, बल्कि एक मजबूत और संगठित विकल्प है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी का चेहरा सामने आने से दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, किसान, युवा और महिलाएं सभी वर्ग एकजुट होकर वोट करेंगे। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी के विचार, उनकी साफ छवि और संविधान की रक्षा के लिए उठाई जा रही उनकी आवाज़ अब एक जन आंदोलन बन चुकी है, जिसे राजनीतिक रूप से भी भुनाया जाना चाहिए। गठबंधन में शामिल अन्य दलों को लेकर उन्होंने संयमित शब्दों में कहा कि सभी को अपनी-अपनी सीमाओं और जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई अकेले किसी पार्टी या नेता की नहीं है, बल्कि पूरे देश की आत्मा की लड़ाई है। इस लड़ाई में अगर निजी महत्वाकांक्षाएं और अहंकार आड़े आएंगे तो जनता माफ नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह 1990 का दौर नहीं है कि नेता जो कहें, वही सच मान लिया जाए। आज का मतदाता जागरूक है, सोच-समझकर वोट करता है, और उसे किसी भी गठबंधन की नीयत और नीति दोनों साफ चाहिए। अगर हम एक स्पष्ट नेतृत्व नहीं दे सके तो यह अवसर हमारे हाथ से निकल जाएगा। पप्पू यादव का यह बयान महज एक राजनीतिक मांग नहीं है, बल्कि यह उस बेचैनी की अभिव्यक्ति है जो आज आम जनता और विपक्ष के समर्थकों के बीच मौजूद है। लोग बदलाव तो चाहते हैं, लेकिन उन्हें यह भरोसा भी चाहिए कि जो लोग बदलाव की बात कर रहे हैं, वे आपस में लड़ नहीं रहे, बल्कि एक साझा लक्ष्य के लिए एकजुट हैं। उन्होंने साफ कहा कि राहुल गांधी को चेहरा बनाकर ही विपक्ष बीजेपी के उस नैरेटिव को चुनौती दे सकता है, जिसमें मोदी की छवि एकमात्र नेता के रूप में गढ़ी गई है। अगर विपक्ष बिखरा रहेगा या चेहरा अस्पष्ट रखेगा तो जनता फिर से उसी दिशा में चली जाएगी, जिससे वह पीछा छुड़ाना चाहती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पप्पू यादव की इस मांग को इंडिया गठबंधन में कितनी गंभीरता से लिया जाता है।

कविता

अशोक कुमार यादव
मुंगेली, छत्तीसगढ़

आँय-बाँय बिजली बिल

कोरबा ल सब कहिथें संगी ऊर्जा के नगरी,
इहाँ कई ठन हवय कोइला के बड़का खदान।
बड़े-बड़े बाँधा ले उत्पन्न होवत हे जल विद्युत,
फेर ए बिजली बिल ह ले डरिस हमर परान।।

कतको झन के छितका कुरिया म बाघ गुर्राथे,
कई जनता मन हें रोज कमाने अउ खाने वाला।
दुबर ल दू आषाढ़ वाले काम करत हे सरकार,
लोगन हें गरीबी रेखा ले नीचे जीवन जीने वाला।।

बल्ब मन घलो हाँसत हें,पंखा मन मारत हें ताना,
स्मार्ट मीटर ले बिजली बिल निकलथे साँय-साँय।
हमर राज के बिजली कहाँ जाथे,पुछत हे जनता,
घरों-घर म बिजली बिल ह आवत हे आँय-बाँय।।

गरीब मन ह कहाँ लगवाए सकहीं सोलर पैनल ल,
बेंदरा मन ह जझरंग ले कूद के टोर दिहीं ओला।
अभी भी समय हे,हाफ बिजली बिल कर दे लागू,
जनता के गुस्सा भोगागे हे,धरा दिहीं तोला झोला।।

सुविचार

असरानी यानि हंसी का खजाना

राकेश अग्रवाल-विभूति फीचर्स

मैंने जबसे हिंदी फिल्में देखना शुरू कीं तभी से असरानी को फिल्मों मे काम करते देख रहा था। मैने हिंदी सिनेमा के लगभग सभी हास्य अभिनेताओं की फिल्में देखीं हैं, अनेक से मिला भी हूँ, लेकिन असरानी पर किसी हास्य अभिनेता की छाप नजर नहीं आई। वे अपने आप में खास थे 1 जनवरी 1941 को जन्मे असरानी का असली नाम बहुत कम लोग जानते होंगे। गुलाबी नगरी जयपुर, में असरानी की गर्भनाल थी। वे जयपुर से स्नातक परीक्षा पास कर भारतीय फिल्म और टेलिविज़न संस्थान, पुणे में पढने आ गये। असरानी को 1967 में फिल्मी दुनिया में प्रवेश मिला लेकिन वे पहचाने बहुत बाद में गए।

फिल्म गुड्डी के एक बेहद मामूली रोल के बाद मनोज कुमार की नज़र असरानी पर पड़ गई। उनको लगा कि इसको भी ले सकते हैं, ऐसा करते-करते चार-पांच फ़िल्में मिल गईं और यहीं से असरानी का कैरियर शुरू हुआ। फ़िल्म शोले में अंग्रेज़ों के ज़माने के जेलर का किरदार निभाने के लिए उन्हें हिटलर की मिसाल दी गई थी। अंग्रेजों के जमाने का ये जेलर रातों रात सितारा बन गया । असरानी कभी गायक बनना चाहते थे। उन्होने 1977 में फ़िल्म आलाप में दो गाने गाए जो उन्ही पर फ़िल्माए गए थे। अगले साल उन्होंने फ़िल्म फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में प्रसिद्ध पार्श्वगायक किशोर कुमार के साथ एक गाना गाया। मैंने असरानी की कितनी फिल्में देखीं, मुझे याद नहीं। वे वे ढोल में भी थे और धमाल में भी। वे शाका लाका बूम -बू म में भी थे और भूल भुलैया में भी। मुझे याद है कि असरानी ने फौज में मौज,फुल एन फाइनल, लालवानी,मालामाल वीकली, रॉनी और जॉनी,भागम भाग,चुपके चुपके,गरम मसाला,मैक के मामा,एलान,क्योंकि,खुल्लम खुल्ला प्यार करें,दीवाने हुए पागल,अंधा आदमी,इन्सान,शर्त,सुनो ससुर जी औरएक से बढ़कर एक जैसी शताधिक फिल्मों में काम किया। मेरी नजर में असरानी को काम की कमी कभी नहीं रही। वे जीवन के अंतिम दिनों तक सक्रिय रहे। गुजरात सरकार ने सात कैदी (गुजराती) के लिए असरानी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता व सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। उनके नाम तमाम श्रेष्ठ पुरस्कार और सम्मान दर्ज हैं। वे हर अभिनेता और अभिनेत्री के साथ फिट हो जाते थे। असरानी भूमिकाओं के चयन को लेकर लापरवाह रहे। असरानी न भगवान दादा थे, न धुमाल, न मेहमूद, न केस्टो मुखर्जी, न आई एस जौहर, न जानी वाकर। वे सिर्फ असरानी थे। असरानी आम आदमी के हास्य अभिनेता थे। उनके पास कद काठी नहीं थी लेकिन उन्हे कभी हीन ग्रंथि का शिकार होते नहीं देखा गया। असरानी सबको हंसते-हंसाते चुपचाप चले गये। वे सुर्खियों से दूर रहने वाले शख्स थे। असरानी हमेशा याद किए जाएंगे। दुनिया गोवर्धन असरानी की नहीं बल्कि खालिस असरानी की मुरीद है। विनम्र श्रद्धांजलि।

जिंदगी का रंगमंच

विजय गर्ग

जिंदगी एक ऐसा रंगमंच है,जहां हर दृश्य अनपेक्षित मोड़ लेता है । यह एक ऐसी किताब है, जिसके पन्ने पलटते ही कहानी बदल जाती है। हम कितनी भी योजना बना लें, जिंदगी अपनी पटकथा खुद लिखती है और आमतौर पर उसका हर मोड़ हमें हैरान कर देता है। जब हमें लगता है कि हम पूरी तरह तैयार हैं, तभी अचानक मंच गायब हो जाता है। अक्सर ऐसा होता है, जब हमारे भीतर आत्मविश्वास चरम पर होता है, तब मंच की रोशनी धीमी पड़ जाती है और हम खालीपन में खड़े रह जाते हैं। मगर शायद यही जिंदगी का मजा है और यह जिंदगी हमारे लिए हमेशा अचानक ही कोई तोहफा लेकर आती है और हमें चौंका देती है। जब हार का डर मन में घर कर जाता है और हमें लगता है कि अब सब खत्म हो चुका है, तभी कुछ ऐसा होता कि अचानक ही जिंदगी हमें जीत का ताज पहना देती है। यह ऐसा है जैसे कोई अनजान खिलाड़ी आखिरी गेंद पर छक्का मार दे। हार की आशंका हमें मजबूत बनाती है, क्योंकि यह हमें सिखाती है कि असल में जीत उसी के हिस्से आती है जो हार से डरना छोड़ दे। जिंदगी का यह सबक है कि हर ठोकर आपको नया रास्ता दिखाती है। कभी-कभी, जब हमें अपनों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब वे साथ छोड़ देते हैं। यह दर्द भरा पल होता है, लेकिन यही वह समय है, जब हम अपने भीतर की ताकत को पहचानते हैं। अकेलापन हमें खुद से मिलवाता है। हम सीखते हैं कि दुनिया के बिना भी हमारा वजूद है। और जब हम अपने आंसुओं को सुखाना सीख लेते हैं, तभी कोई अनजाना कंधा हमें सहारा देने आ जाता है। यह जिंदगी का रहस्य है- जब आप तैयार नहीं होते, तब वह हमें सबसे सुंदर तोहफे देती है । जिंदगी का एक और मजेदार पहलू है उसका उल्टा गणित। जब हम नफरत करने की कला में माहिर हो जाते हैं, ठीक उसी वक्त कोई हमारे दिल में प्यार का दीप जला देता है । यह ऐसा है जैसे आपने अपने दिल को कवच में बंद कर लिया हो, लेकिन कोई चुपके से उसकी चाबी ले उड़े। प्यार, जो अनचाहा मेहमान बनकर आता है, हमें सिखाता है कि नफरत से ज्यादा बड़ा है प्यार। इससे बड़ा और ताकतवर कोई एहसास नहीं होता। यह जिंदगी का वह जादू है, जो हमें हर बार नया सबक देता है। और फिर आता है वह पल, जब हम घंटों अंधेरे में रोशनी का इंतजार करते-करते थक जाते हैं। हम हार मानकर सो जाते हैं और सोचते हैं कि अब कुछ नहीं बचा। लेकिन तभी, जैसे कोई चमत्कार हो, सूरज अपनी सुनहरी किरणों के साथ उग आता। यह जिंदगी का सबसे खूबसूरत सबक है कि जब हम उम्मीद छोड़ देते हैं, तब वह हमें सबसे बड़ा तोहफा देती है। यह हमें बताती है कि हर रात के बाद सुबह जरूर आती है और हर तूफान के बाद सूरज की किरणें जरूर चमकती है। जिंदगी की इस अनिश्चितता में ही उसका सुख है। हम कितनी भी योजना बना लें, जिंदगी हमेशा अपने नियमों से चलती है। आप सोचते हैं कि आपने सब कुछ तय कर लिया, लेकिन वह हंस कर आपकी सारी योजना उलट-पुलट कर देती है। यह एक ऐसा खेल है, जहां हम कभी पूरी तरह तैयार नहीं हो सकते। लेकिन यही इसकी खूबसूरती है। हर अनपेक्षित मोड़ यह हमें कुछ नया सिखाता है। हर असफलता हमको एक नई दुनिया से मिलवाती है, और हर सफलता हमें दुनिया का सितारा बनाती है। सफलता और असफलता जिंदगी के दो पहलू हैं, लेकिन असफलता की भूमिका कुछ ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। सफलता हमें तालियों और तारीफों से नवाजती है, लेकिन असफलता हमें असली दुनिया से रूबरू कराती है। यह हमें उन लोगों से मिलवाती है, जो हमारे साथ तब भी खड़े रहते हैं, जब हमारी जेबें खाली हों और मन उदास हो। असफलता हमें सिखाती है कि जिंदगी का असली मजा जीतने में नहीं, बल्कि कोशिश करने में है। यह हमें बताती है कि हर बार गिरने के बाद उठना ही असली जीत है। जिंदगी का यह खेल हमें एक और बात सिखाता है खुश रहना। चाहे कितने भी उतार-चढ़ाव आएं,खुशी को गले लगाना जरूरी है । जब सब कुछ खत्म लगता है और हम सोचते हैं कि अब बस यही अंत है तभी जिंदगी हमें एक नया रास्ता दिखाती है। ऊपरवाला या कुदरत मानो हंसकर कहता है, अरे, थोड़ा रुक, अंत नहीं, बस एक नया मोड़ है। जिंदगी को एक मजेदार सैर की तरह लेना चाहिए। इसकी हर मोड़ का आनंद उठाना चाहिए। हारें, तो हंसें । जीतें, तो और मेहनत करें। प्यार करें, नफरत छोड़ें। और सबसे जरूरी, हमेशा उम्मीद रखा जाए कि जिंदगी चाहे जितनी बार भी चौंकाए, वह हमेशा हमें कुछ नया सिखाने के लिए तैयार रहती है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड से दो कैदी फरार, 2 जवान निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड से मंगलवार सुबह दो विचाराधीन कैदी फरार हो गए। दोनों कैदी पास्को और एनडीपीएस एक्ट के मामलों में बंद थे। इस मामले में दो जवानों को निलंबित कर दिया गया है। इस तरह की घटना एक महीने के भीतर दूसरी बार हुई है, जिससे जेल और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। फरार होने वाले कैदियों की पहचान रितेश सारथी,निवासी आंधला, थाना लखनपुर और पवन पाटिल, निवासी ग्राम जमडी,थाना झिलमिली, के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रितेश सारथी पास्को एक्ट के मामले में विचाराधीन बंदी था, जबकि पवन पाटिल एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार आरोपी था। दोनों को स्वास्थ्य कारणों से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के

जेल वार्ड में भर्ती कराया गया था। इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज के जेल वार्ड में भर्ती कैदी दिवाली की रात 3 बजे सुरक्षाकर्मियो को चकमा देकर फरार हो गए थे। इस मामले में जिले के एसपी ने नाराजगी जाहिर करते हुए बंदी की देखरेख में शामिल दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने यह निलंबन आदेश जारी किया है। इस वारदात से जेल प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। कैदी इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज के जेल वार्ड में भर्ती थे। रात में ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की निगरानी के बावजूद, फरार होने की योजना को अंजाम दिया गया। घटना के तुरंत बाद फरार कैदियों की तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

प्रताड़ना का लगाया था आरोप

गौरतलब है कि इससे पूर्व अंबिकापुर जेल से फरार एक कैदी जेल प्रबंधन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। इस बयान के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई थी, मगर फिर भी कैदी भागने में सफल रहे। पुलिस अब कैदियों की तलाश में जुट गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

धोखाधड़ी के मामले मे आरोपी गिरफ्तार

थाना धौरपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि दिनांक 19/10/25 को प्रार्थी मुनेश्वर राम पैकरा साकिन करौली थाना धौरपुर द्वारा थाना धौरपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि प्रार्थी के साथी शिक्षक अनुक दास को हल्का पटवारी ग्राम करौली जीवन प्रकाश एक्का के द्वारा,हिरमनिया निवासी करौली के कहने पर खसरा नंबर 203 रकबा 0.124 हेक्टेयर जमीन को 16 लाख रूपया में बिक्री करने की बात बोला गया था, जिस पर प्रार्थी के साथी शिक्षक अनुक दास के द्वारा प्रार्थी को बताने पर जमीन खरीदने का सहमती बना और अन्य शिक्षक सुर्यदेव तिग्गा तीनों मिलकर रूपये की व्यवस्था किये और दिनांक 26/12/24 को प्रार्थी के द्वारा पटवारी जीवन प्रकाश एक्का को 9,00,000/- रूपया दे दिया गया, तथा हल्का पटवारी के द्वारा भूमि विक्रेता हिरमनिया व अपना नाम लिखकर रूपये प्राप्त करने का हस्ताक्षर कर प्रार्थी को 50 रूपये के स्टांप में लिखापढी किया गया, बाद में हल्का पटवारी के द्वारा भूमि विक्रेता का तबीयत खराब हो जाने पर रूपये की आवश्यकता होना बताते हुए दिनांक 04/01/25 को पुनः 5,12,950/- रूपया ले लिया गया और उसी स्टांप पेपर के खाली स्थान में हस्ताक्षर कर दिया गया, जब प्रार्थी जमीन की रजिस्ट्री कराने की बात बोलते थे तो हल्का पटवारी के द्वारा बहाना बनाकर घुमाया जाने लगा, तब प्रार्थीगण भूमि विक्रेता हिरमनिया से मिले तब हिरमनिया के द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा कोई जमीन बिक्री नहीं किया जा रहा है, न ही पटवारी जीवन प्रकाश एक्का को इस संबंध में बोला गया है। यह जानकारी होने पर प्रार्थीगणों के द्वारा हल्का पटवारी को जमीन रजिस्ट्री एवं पैसा वापस करने की बात बोलने पर एक कागज में पैसा वापस करने की बात बोला गया, जो पैसा वापस नहीं किया गया है,मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना धौरपुर मे अपराध क्रमांक 52/25 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी से हल्का पटवारी द्वारा स्टाम्प का लिखा पढ़ी जप्त कर मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश मामले के आरोपी जीवन प्रकाश एक्का को पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम जीवन प्रकाश एक्का आत्मज निर्मल एक्का उम्र 38 वर्ष साकिन सिलसिला थाना लुन्ड्रा का होना बताया, प्रार्थी एवं गवाहों के कथन अनुसार एवं प्रकरण में आये तथ्यों पर अभियुक्त के विरुद्ध अपराध घटित करना पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी धौरपुर उप निरीक्षक अश्वनी दीवान, महिला आरक्षक ज्योति पैकरा, आरक्षक प्रदीप बखला, हरिकिशन, पंकज देवांगन सक्रिय रहे।

अटल परिसर का लोकार्पण एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व.

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

-संवाददाता-
लखनपुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया लोकार्पण, जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों की रही विशेष उपस्थिति। लखनपुर नगर पंचायत लखनपुर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित अटल परिसर में सोमवार को आयोजित भव्य कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने अटल परिसर का लोकार्पण एवं भारत रत्न, देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम का आयोजन नगर पंचायत लखनपुर कार्यालय द्वारा किया गया था। मंत्री श्री अग्रवाल ने फीता काटकर अटल परिसर का उद्घाटन किया और तत्पश्चात वाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने उनके बताए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। मंत्री अग्रवाल ने अटल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। ज्ञात हो कि

अंबिकापुर से विधायक निर्वाचित होने के उपरांत श्री अग्रवाल ने अटल परिसर का भूमि पूजन किया था, और अब मंत्री बनने के बाद उसी परिसर का लोकार्पण संपन्न किया गया है – जो उनके जनसेवा के संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू ने क्षेत्र के विकास हेतु मंत्री अग्रवाल के समक्ष गौरव पथ सड़क (अंग्रेजी शराब दुकान से लखनपुर अस्पताल तक), 500 सीटर ऑडिटोरियम निर्माण जैसी जनहित की मांगें रखीं, जिन पर मंत्री श्री अग्रवाल ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा सनी बंसल, ओबीसी पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, वार्ड क्रमांक 9 पार्षद पूनम राकेश साहू, मंत्री प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, भाजपा नेता सुभाष अग्रवाल, बृज किशोर पांडे, दिनेश गुप्ता, मदन राजवाड़े, महेश्वर राजवाड़े, सुरेश साहू, अनिल राजवाड़े सहित नगर पंचायत के समस्त पार्षदगण एवं भारी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला।

रजत जयंती महोत्सव पर जनपद सभागार में किसान संगोष्ठी का भव्य आयोजन

-संवाददाता-
लखनपुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जनपद सभागार में किसान संगोष्ठी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसान, जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शशि कैलाश सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष रामेश्वर राजवाड़े,मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, ओबीसी मोच के जिला अध्यक्ष राजेंद्र जयसवाल, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, , एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुरेश सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं मत्स्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता कामेश्वर राजवाड़े ने किसानों को संबोधित करते हुए आधुनिक कृषि तकनीक, बीज चयन, सिंचाई प्रणाली और उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी और पशु धन पर भी बल दिया। मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में जैविक खेती के महत्व एवं उसके लाभों के बारे में किसानों को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती न केवल भूमि की उर्वरता को बनाए रखती है बल्कि यह किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। इसी क्रम में विक्रम सिंह ने राज्य शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी विस्तारपूर्वक देते हुए किसानों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया। कृषि विभाग के अधिकारी सूर्यकांत गुप्ता एवं कृषि महाविद्यालय की प्रोफेसर अजीमा ने मृदा परीक्षण एवं मिट्टी की गुणवत्ता सुधार के विषय में किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। जिला सहकारी समिति के प्रबंधक नीलकमल पांडे ने किसानों को सहकारी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं उद्यान विभाग के अधिकारी उमेश पर ने उद्यानिकी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में किसानों को कृषि क्रेडिट कार्ड,किसान स्वास्थ्य कार्ड, तथा मत्स्य विभाग की ओर से मछली पकड़ने के जाल एवं मत्स्य पालन किट का निःशुल्क वितरण किया गया। साथ ही किसान मित्रों को विभिन्न फसलों की नई जातियों एवं उन्नत उत्पादन तकनीकों के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने कार्यक्रम की व्यवस्था में शिथिलता को लेकर कुछ कर्मचारियों को फटकार लगाई और अनुशासन एवं गरिमा बनाए रखने के निर्देश दिए। अंत में उपस्थित किसानों ने जैविक खेती को अपनाने और शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर किसान बनने का संकल्प लिया।

गैर इरादतन हत्या के मामले मे आरोपी गिरफ्तार

थाना लखनपुर पुलिस टीम द्वारा आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
लखनपुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि पुलिस सहायता केन्द्र मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर से बिना नंबरी मर्ग डायरी प्राप्त होने पर थाना लखनपुर में नम्बरी मर्ग क्रमांक 109/2025 धारा 194 बीएनएसएस की मर्ग कायम कर मर्ग जांच किया गया मर्ग जांच दौरान मृतिका अमृता बाई के पति मोतीराम राजवाडे और गवाहो के कथन के आधार पर मृतिका की मृत्यु सूरज राजवाडे पिता विकुल राम राजवाडे उम्र 38 वर्ष निवासी लहपटरा थाना लखनपुर के द्वारा बिजली खंभे से अवैध कनेक्सन कर अपने खेत में मोटर पंप चलाने

के लिए तार खींचा था जिस तार से मृतिका अमृता बाई भगवान दास के खेत मेंड में घांस काटने के दौरान तारंगित बिजली तार के संपर्क में आने से करंट लगने से बेहोश हो गई थी। जिसे ईलाज हेतु जिला अस्पताल अम्बिकापुर में ले गये जहां डॉक्टर द्वारा चेक कर मृत घोषित कर दिये। आरोपी के द्वारा खींचे गये बिजली कंजेक्शन के संबंध में बिजली विभाग से प्रतिवेदन भेजकर जानकारी लिया गया जो उक्त कनेक्शन अवैध होना बताया गया है। मर्ग जांच पर पाया गया कि आरोपी सूरज राजवाडे द्वारा यह जानते हुए कि उक्त अवैध असुरक्षित विद्युत कनेक्शन से करंट लगने से किसी की मृत्यु होना संभाव्य है यह जानते हुए उसके द्वारा यह अपराधिक कृत्य किया गया कि मामले के आरोपी सूरज राजवाड़े के विरुद्ध थाना लखनपुर मे अपराध क्रमांक 254/25 धारा 105 बी.एन.एस. एवं 135 विद्युत् अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के आरोपी सरजू राजवाड़े को सकुतन से पकड़कर थाना लाकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम सूरज राजवाडे पिता विकुल राम राजवाडे उम्र 38 वर्ष साकिन लहपटरा थाना लखनपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ कर मेमोरण्डम कथन लिया गया जो आरोपी द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार किया गया एवं घटना में प्रयुक्त बिजली तार को घर से निकालकर पेश करने पर जप्त किया गया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक निशिकांत एक्का, आरक्षक राकेश एक्का, जगेश्वर बघेल, आशीष, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

पिकअप पलटने से संत समाज के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मैनपाट मार्ग पर स्थित कालीघाट के पास बुधवार की शाम सडक़ हादसे में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम से लौट रहे संत समाज के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। एक दर्जन से अधिक लोग पिकअप में सवार होकर लौट रहे थे। पिकअप पलट जाने से यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद चिंतामणि महाराज मौके पर पहुंचे और घायलों को स्वयं के वाहन से इलाजा के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार मैनपाट के कालीघाट के पास संत समाज के लोग एक पिकअप वाहन में सवार होकर गोवर्धन पूजा से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित होकर पिकअप अचानक पलट गया। इस दौरान घटनास्थल पर चीख पुकार मच गया। हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों का हाल जाना और जख्मी लोगों को तुरंत अपने वाहन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है।

बीमारी से परेशान बुजुर्ग ने खुद पर पेट्रोल उडेलकर लगाई आग,मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के तुलसी चौक निवासी एक बुजुर्ग ने बुधवार की सुबह खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गांधीनगर पुलिस ने मामले की जांच की। जानकारी के अनुसार दुर्गा प्रसाद पटेल (85) गांधीनगर थाना क्षेत्र के तुलसी चौक का रहने वाला था। वह बुधवार सुबह करीब 11 बजे खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा ली। चीखने-चिल्लाने की जावाज सुनकर नीचे रहने वाले मकान मालिक मौके पर पहुंचे और जल रहे बुजुर्ग पर पानी डालकर आग बुझाई। इसके कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

सरगुजा क्षेत्र रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य स्टेशन प्रबंधक से भेंट कर अतिरिक्त प्लेटफार्म निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने की मांग को लेकर डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा क्षेत्र रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में मुख्य स्टेशन प्रबंधक से भेंट कर अतिरिक्त प्लेटफार्म निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने की मांग को लेकर डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा। रेल संघर्ष समिति ने 15 दिवस के भीतर प्लेटफार्म निर्माण कार्य प्रारंभ ना होने पर,धरना सहित चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी भी दी है। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार,पार्किंग व्यवस्था में सुधार, नई इंटरसिटी ट्रेन संचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर रेल संघर्ष समिति ने स्टेशन प्रबंधक एस के सिंह से रेलवे के कंस्ट्रक्शन विभाग से जुड़े इंजीनियर मनोज कुमार गुप्ता और कॉमर्शियल इंस्पेक्टर श्री लहरे की उपस्थिति में विस्तार से चर्चा की। समिति ने स्टेशन में प्लेटफार्म की कमी के कारण दिल्ली और जबलपुर से आने वाली ट्रेनों को कमलपुर व विश्रामपुर में लंबे समय तक खड़ा रखने से यात्रियों को हो रही परेशानी पर चिंता जताई और अतिरिक्त प्लेटफार्म निर्माण के काम में राशि स्वीकृति के बाद भी,कार्य प्रारंभ नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने यात्रियों की आसान,सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवाजाही के लिए ट्रेन आगमन पर,अचानक बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए,बेतरतीब ऑटो खड़ा करने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा ट्रैफिक पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। ऑटो चालकों की अव्यवस्थित पार्किंग और निर्धारित दर से अधिक किराया वसूली की शिकायत पर कमर्शियल इंस्पेक्टर श्री लहरे ने बताया कि ठेकेदार पर 15,000 का अर्थदंड लगाया गया है और सुधार नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेल संघर्ष समिति ने पार्किंग ठेकेदार का आचरण रेलवे के मानकों के अनुरूप बनाए रखने के साथ ही अवैध,बिना रसीद के वसूली करने वाले ठेकेदार या उप ठेकेदार पर कड़ी नजर रखने के साथ बार-बार शिकायत प्राप्त होने की स्थिति में अनुबंध की समीक्षा कर कड़ी कार्यवाही करने की बात कही।

दिवाली की रात बौरीपारा स्थित एएसआई के घर में घुसकर हमला,आरोपियों की गिरफ्तारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)। शहर के बौरीपारा स्थित एएसआई राकेश मिश्रा के घर में दिवाली की रात एक गंभीर मारपीट की घटना सामने आई है। आरोपियों ने रंजिश के कारण घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला किया,जिसमें एएसआई का बेटा सौरभ मिश्रा और उनका चचेरा भाई प्रखर मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ बलवा और आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है और तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार,घटना की शुरुआत 20 अक्टूबर की रात को हुई,जब सौरभ मिश्रा और उनके चचेरे भाई प्रखर मिश्रा का मायापुर निवासी अंश पंडित और उसके साथियों के साथ पुराने विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था। यह विवाद एविलॉन होटल के पास हुआ था,जिसके बाद प्रखर मिश्रा अपने घर लौट आया। देर रात अंश पंडित अपने पिता बाबा पंडित,भाई ओम पंडित,मां शोभा तिवारी,गोलू गणेश और अन्य साथियों के साथ बौरीपारा पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने प्रखर मिश्रा को बाहर बुलाकर गाली-गलौज शुरू कर दी और इसके बाद घर के बाहर खड़ी 3-4 कारों को नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद आरोपियों ने घर का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुस गए। इस दौरान अंश पंडित ने सौरभ मिश्रा पर धारदार हथियार से हमला कर दिया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद आरोपियों ने प्रखर मिश्रा के साथ भी मारपीट की। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस को इस घटना की रिपोर्ट सौरभ मिश्रा ने दी, जिसके आधार पर कोतवाली पुलिस ने बलवा और आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया। कोतवाली पुलिस ने घटना के बाद कार्रवाई करते हुए बाबा पंडित,उसकी पत्नी शोभा तिवारी और ओम पंडित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हालांकि,शोभा तिवारी को कोर्ट से जमानत मिल गई है। मुख्य आरोपी अंश पंडित, जो कि आदतन बदमाश है और पहले भी आपराधिक मामलों में लिप्त रहा है,जनवरी माह में जिला बदर हो चुका था। इसके बावजूद उसने शहर में आकर इस गंभीर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ भी आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी शिशिर सिन्हा ने बताया कि अंश पंडित को जिला बदर किया गया था,लेकिन उसने फिर भी आपराधिक गतिविधियों को जारी रखा। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 296,351 (3),115 (2),331 (6),191 (1) और आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई है।

खेल रहे थे जुआ पुलिस ने दी दबिश,पुलिस से बचने कुएं में लगाई छलांग...गई जान...शुरू हुआ बवाल...

एक तरफ कुआं दूसरी तरफ पुलिस ऐसी स्थिति में युवक ने गंवाई अपनी जान?

- बीच-बचाव में कूदे मंत्री लक्ष्मी पति, चक्का जाम हटाने का दिया निर्देश,नहीं सुनी उनकी किसी ने बात...एसडीएम शिवानी जायसवाल की समझाइश पर आंदोलन हुआ शांत
- अब सवाल यह है कि दोषी कौन...जुआ पकड़ने वाली पुलिस या जुआ खेलने वाला युवक? पुलिस कार्यवाही ना करे तो परेशानी और करें तो बड़ी परेशानी।
- जब पता है कि जुआ खेलना खेलना अपराध है तो फिर खेलने गए क्यों और जब पता था कि बड़ा अपराध नहीं है तो फिर कुएं में कूदे क्यों?
- लोग हुए उग्र एडिशनल एसपी सहित कई पुलिसकर्मी पथराव में हुए घायल...लोगों को शांत करने पुलिस को चलानी पड़ी लाठियां...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। जिला सूरजपुर से एक बड़ा मामला सामने आया है जहां पर दिवाली से ठीक एक दिन पहले खुली जगह पर कुछ जुआरी जुआ खेल रहे थे और पुलिस को इसकी जानकारी मिली और पुलिस जुआरियों को पकड़ने पहुंची और पुलिस को देखकर जुआरी भागने लगे इसी भागम भाग के दौरान एक युवक खेत में स्थित कुएं में गिर गया या छलांग लगा गया और यहीं से बवाल शुरू हो गया, अब सवाल यह है कि पुलिस का जुआरियों को पकड़ने जाना वहां गलत था या फिर जुआरियों वहां पर खुली जगह पर जुआ खेलना सही था? पुलिस के हाथ यदि आ गए होते तो आज जान न गवाते पर पुलिस से भागना ही मृतक की मृत्यु की वजह बन गई। मिली जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिले के जयनगर थाना के अंतर्गत कुंजनगर में दीपावली के एक दिन पूर्व की रात के 9:00 बजे जुआ फड़ खुली जगह खेत में संचालित हो रहा था, जिसकी जानकारी पुलिस को मुखबिरों से मिली और पुलिस जुआरियों को पकड़ने के लिए तत्काल पहुंची पर पुलिस को भी क्या पता था कि जुआरियों को पकड़ने के प्रयास में एक बड़ा हादसा हो जाएगा, पुलिस जब पहुंची तो जुआरी पुलिस को देखकर भागने लगे और रात का अंधेरा इतना घनघोर था कि युवक को खेत में स्थित कुआं नहीं दिखा या वह बचने के लिए कूद गया और कुएं में गिरने से युवक की जान चली गई, युवक के जान निकल जाने या कुएं में गिरने की जानकारी पुलिस को भी नहीं लगी और युवक की डूब के मौत हो गई, युवक बाबूलाल राजवाड़े उम्र 26 वर्ष कुंजनगर का ही बताया जा रहा है पर युवक की मौत के बाद ग्रामीण उग्र हो गए और इस पूरे मामले का दोष पुलिस पर मढ़ने लगे पर सवाल यह भी है कि क्या सिर्फ इस मामले में पुलिस ही दोषी है क्या जुआरियों को यह नहीं पता था कि जुआ खेलना ही अपराध है और पुलिस दबिश दे सकती है? वैसे यह हादसा इतना बड़ा हो गया कि लोग उग्र हो गए, क्योंकि घर का जवान बेटा इस हादसे का शिकार हो गया, अब यह तो वही वाली बात हो गई की दोष दे तो दे किसको? एक युवक की जान जाने से पूरे ग्रामीणों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश था क्योंकि उनका मानना था कि पुलिस यदि पकड़ने नहीं जाती तो युवक की जान नहीं जाती, पर सवाल यह भी है कि युवक जुआ खेलने नहीं जाता तो पुलिस पकड़ने क्यों जाती है? पर इस बीच जो आंदोलन उग्र हुआ उस उग्र आंदोलन ने ऐसा रूप लिया कि पूरे क्षेत्र सहित पूरे जिले की पुलिस की पुलिस बुलानी पड़ी और जयनगर में पुलिस छावनी बन गया, पथराव में एडिशनल एसपी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हुए तो वहीं लोगों के इस आतंक को शांत करने के लिए पुलिस को लाठी भी भांजनी पड़ी देर रात तक यह सब चलता रहा राजनीतिक रंग भी मामला लेता रहा और पुलिस पूरे मामले पर निशाना बनी रही।

युवक को अंधेरे में नहीं दिखा कुआं या फिर बचने के लिए कुएं में लगाई छलांग?

जुआ खेलने गया युवक का कुआं में गिरने से मौत हो गई और पूरी रात चक्का जाम करके बवाल मचा रहा पर यह स्पष्ट नहीं है की पुलिस से बचने के लिए अपने कुएं में छलांग लगाया है या फिर उसे अंधेरे में कुआं दिखा ही नहीं, पर जो बातें अभी सामने आ रही है उसे लेकर अंदेशा जताया जा रहा है कि अंधेरा ज्यादा था और अंधा कुआं हुआ था जो उसे दिखा नहीं होगा और उसमें वह गिर गया और पुलिस को भी है बात पता नहीं चली, यदि पुलिस को ये बात पता चलती तो शायद पुलिस बचा सकती थी। क्योंकि मृतक को तैरना नहीं आता था यदि उसे तैरना आता तो वह पुलिस को चिल्ला कर बुला सकता था पर ऐसा हुआ नहीं पुलिस को उसके गिरने की जानकारी भी नहीं थी बाद में यह बात पता चला ऐसा पुलिस का दावा है।

मंत्री पति उनके प्रतिनिधि फिर नजर आए निर्देश और आदेश देते

मामले में मंत्री पति भी धरना दे रहे ग्रामीणों के बीच पहुंचे और उन्होंने उन्हें समझाइश देने का प्रयास किया,वैसे उनकी समझाइश का असर कुछ नहीं पड़ा लेकिन मंत्री पति मंत्री की तरह निर्देश जरूर देते रहे समझाइश भी देते रहे, वहीं वह अधिकारियों को आदेश भी देते रहे,मंत्री पति लगभग हर जगह मंत्री की अनुपस्थिति में मंत्री बनकर ही पहुंचते हैं और आदेश निर्देश जारी करते हैं,इस मामले में भी वह पहुंचे लेकिन लोगों ने उनकी समझाइश को तवज्जो नहीं दिया जबकि वह कार्यवाही तक कि बात पूरे आत्मविश्वास के साथ कहते रहे जबकि उनके पास कोई ऐसा अधिकार नहीं है,मंत्री पति की जगह अंत में एसडीएम की समझाइश पर ही ग्रामीण धरना समाप्त करते नजर आए।

वर्तमान विधायक व पूर्व विधायक हैं जिस समाज से मृतक भी उसी समाज का...राजनीति होने लगी...

मामले में जमकर राजनीति होती नजर आई, बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक और वर्तमान विधायक जो मंत्री हैं दोनों ने मामले में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की पूरी कोशिश की जिससे उन्हें राजनीतिक रूप से किसी आरोप का सामना न करना पड़े,बताया जा रहा है कि मृतक जिस समाज से आता है उसी समाज से पूर्व और वर्तमान विधायक जो मंत्री हैं वह भी आती हैं इसलिए दोनों ने ही मामले में अपनी उपस्थिति बरकरार रखी,पूर्व विधायक ने ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठकर आंदोलन को समर्थन दिया और मृतक के लिए न्याय की मांग की वहीं वर्तमान विधायक और मंत्री ने अधिकारियों से चर्चा कर उचित कार्यवाही का निर्देश दिया। मामले में राजनीति होता देख प्रशासन भी मामले में नर्म रुख अपनाता नजर आया और मामला बातचीत के रास्ते सुलझाने पर ध्यान दिया गया।

देर रात तक थाने पर पथराव होते रहे...गेट बंद करके पुलिस को अपनी जान बचानी पड़ी

युवक के कुएं में गिरने से मौत होने पर और इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगने पर ग्रामीण उग्र हो गए और उन्होंने थाने का घेराव कर दिया और वह नारेबाजी करने लगे,भीड़ और उग्र हुई और उसने थाने पर पथराव कर दिया। रातभर थाने पर पथराव होता रहा और पुलिस को थाने का गेट बंद कर अंदर रात गुजारनी पड़ी।

एडिशनल एसपी सहित कई कर्मचारी उग्र ग्रामीणों के पथराव के हुए शिकार

उग्र भीड़ के पथराव से कई पुलिसकर्मी घायल हुए,खुद एडिशनल एसपी भी घायल हुए,पुलिस की मजबूरी यह रही कि वह गलत मामले में हो रहे पथराव में भी सही कार्यवाही इसलिए नहीं कर पाई क्योंकि मामला राजनीतिक रंग ले चुका था।

पुलिस थाने पर हमला और पथराव करने वाले पुलिस द्वारा किए गए चिन्हांकित,दर्ज होगी प्राथमिकी:सूत्र

सूत्रों की माने तो पुलिस ने मामले में पुलिस थाने पर पथराव करने वालों को चिन्हांकित कर लिया है और अब जल्द प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कार्यवाही करती नजर आएगी,पुलिस थाने पर सैकड़ों लोगों ने हमला किया था और पुलिस थाने पर रातभर पथराव किया था,इस दौरान एडिशनल एसपी सहित कई पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं।

हालात बिगड़ने पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज

प्रदर्शन शुरू में नारेबाजी तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे आगजनी और पत्थरबाजी में बदल गया, पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हुए, जिसके बाद हालात बिगड़ने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, और इस दौरान कई ग्रामीणों को भी चोटें आईं।

देर रात तक मचा रहा हंगामा

एएसपी संतोष महतो ने सीमित बल के साथ रात 2 बजे तक स्थिति को नियंत्रित किया हालांकि, रात में कुएं से शव नहीं निकाला जा सका जिसके बाद सुबह अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने के बाद शव को निकाला गया,लेकिन मृतक के परिजनों ने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध जारी रखा।

शव रखकर नेशनल हाईवे जाम

परिजन युवक का शव लेकर नेशनल हाईवे पर धरने पर बैठ गए, जिससे कई घंटे तक यातायात ठप रहा, एसडीएम शिवानी जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से चर्चा की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीणों धरना समाप्त किया।

मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

एसडीएम शिवानी जायसवाल ने बताया कि कलेक्टर एस. जयवर्धन ने मामले में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर जांच टीम गठित की है, जो पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच करेगी।

मामले ने लिया राजनीतिक रंग

घटना के बाद यह मामला राजनीतिक रूप भी लेने लगा जहाँ पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े (कांग्रेस) ने थाने पहुंचकर परिजनों को समर्थन देते हुए पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। वहीं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया और कहा कि जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई जरूर होगी।

प्रशासन ने ली राहत की सांस

करीब 10 घंटे चले हंगामे के बाद आखिरकार प्रशासन और नेताओं के समझाने पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया, इसके बाद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

दोहरे हत्याकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार,पुलिस ने पीछा कर बस से पकड़ा

बैकुंठपुर के ग्राम बड़े साल्ही में दोहरे हत्याकांड को तीनों ने दिया था अंजाम

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

21 अक्टूबर 2025 को बैकुंठपुर के ग्राम बड़े साल्ही में दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया, हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी मंगलवार को बैकुंठपुर पुलिस ने की, पकड़े गए मुख्य आरोपी के पास से पुलिस ने देशी कट्टा और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए, पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी को चलती बस से गिरफ्तार किया गया, बैकुंठपुर पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अपने सास ससुर को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था, पत्नी पति के डर से मायके में रह रही थी इस बात को लेकर आरोपी अक्सर विवाद करता था और पैसों की मांग करता था।

सास-ससुर को जिंदा जलाने वाला दामाद गिरफ्तार

बैकुंठपुर पुलिस के मुताबिक 14 अक्टूबर की रात बचरापोंडी में आगजनी किए जाने की खबर थाने को मिली, शिकायत मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पुलिस ने पाया कि आग में पूरा मकान जलकर राख हो चुका है, घर में मौजूद रायराम की मौके पर ही मौत हो चुकी है, मृतक की पत्नी पार्वती बाई की हालत गंभीर थी, महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, इलाज के दौरान महिला की भी मौत हो गई। मरने से पहले महिला ने अपने बयान में बताया कि उसके घर में आग किसी और ने नहीं बल्कि उसके दामाद ने लगाई है, दामाद की इस साजिश में उसके साथी भी शामिल।

चलती बस से पकड़ा गया दामाद

पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे के निर्देशन में आरोपियों को पकड़ने की रणनीति बनाई गई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और एसडीओपी राजेश कुमार साहू के नेतृत्व में बैकुंठपुर कोतवाली चौकी पोड़ी बचरा और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरु की. जांच में पता चला कि मृतक के दामाद सुरेश ठाकुर उर्फ कनपुरिया निवासी विनोबा नगर, कानपुर देहात ने अपने साथी प्रदीप बैरागी निवासी मंडला (म.प्र.) के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है, तीसरे आरोपी सहदेव सूर्यवंशी निवासी ठग गांव ने दोनों को छिपने में मदद दी है।

नागपुर तक बदमाशों का टीम ने किया पीछा

सायबर सेल के इनपुट पर पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा करते हुए महाराष्ट्र के नागपुर तक दबिश दी लेकिन सफलता नहीं मिली,बाद में जब आरोपी कोरिया लौट रहे थे तब थाना रतनपुर प्रभारी संजय राजपूत और उनकी टीम की मदद से सुरेश ठाकुर और प्रदीप बैरागी को रतनपुर-कटघोरा मार्ग पर गिरफ्तार किया गया,पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने खड़गवां से तेल रखने वाला गैलेन खरीदा और पेट्रोल भरवाकर रात में रायराम के घर पहुंचे. सोते हुए रायराम पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी जिससे उसकी पत्नी भी झुलस गई,वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। तलाशी में मुख्य आरोपी के पास से देशी कट्टा,सात कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

इनका कहना है...

कोरिया पुलिस टीम ने बेहद जटिल और गंभीर दोहरे हत्याकांड का खुलासा त्वरित कार्रवाई से किया है. सभी आरोपियों की गिरफ्तारी टीम की सतर्कता, समन्वय और सटीक तकनीकी विश्लेषण का परिणाम है, मुख्य आरोपी के कब्जे से देशी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया है।

रवि कुमार कुर्रे,
पुलिस अधीक्षक

कोरबा विधानसभा में 399 कार्यों के लिये 157 करोड़ 69 लाख की मिली स्वीकृति

-संवाददाता-
कोरबा,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश और केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कलेक्टर एवं अध्यक्ष अजीत वसंत ने जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) से कोरबा विधानसभा क्षेत्र में 399 विकास कार्यों के लिए 157 करोड़ 69 लाख 12 हजार 830 रुपये की स्वीकृति दी है। विगत 20 से 21 माह के बीच कलेक्टर द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के मांग के आधार पर तथा शासन की मंशानुसार बड़ी राशि की स्वीकृति प्रदान किये जाने से शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क,शहरी सुविधाएं और जनसुविधाओं का व्यापक विकास सुनिश्चित होगा। डीएमएफ से प्राप्त स्वीकृति में अनेक बड़े कार्य भी शामिल है। ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक तक 2.84 कि.मी. दो लेन सीसी रोड निर्माण 29.42 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इस कार्य से मुख्य शहरी मार्गों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और वाहनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा। इसी तरह शहर में यातायात और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए सुनालिया ज्वेलर्स के पास रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) निर्माण एवं मुआवजा वितरण हेतु 18.82 करोड़,नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण (92 भवन) के लिए 12.01 करोड़,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए शासकीय स्कूलों में मानदेय शिक्षकों की भर्ती हेतु 10.34 करोड़, जी.एन.एम. स्कूल एवं हॉस्टल का शेष निर्माण कार्य हेतु 4.70 करोड़, शहरी स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में सुधार के लिए नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में ई-कार्ट गार्बेज रिक्शा प्रदाय कार्य हेतु 2.84 करोड़, शिक्षा क्षेत्र में अन्य कार्य 30 नवीन प्राथमिक शाला भवन हेतु 5.16 करोड़, 10 नवीन माध्यमिक शाला भवन 1.67 करोड़, 71 किचन शेड निर्माण, 18 स्कूलों में अहाता निर्माण, डाइट भवन कोरबा के 11 कार्य 1.18 करोड़, 12 महाविद्यालयों में अतिरिक्त भवन, हॉस्टल व सामग्री क्रय 6.26 करोड़, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कोरबा में निर्माण कार्य 97.60 लाख की स्वीकृति शामिल है। कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य हेतु बच्चों के टीकाकरण, क्षय रोग जांच,संसाधन भर्ती एवं स्वास्थ्य भवन उन्नयन 3.12 करोड़,विशेषज्ञ चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती (3 कार्य) 6.27 करोड़,स्वास्थ्य कर्मियों के आवासीय भवन निर्माण 98.69 लाख,ट्रामा सेंटर में उन्नयन कार्य 54.59 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। शहरी और ग्रामीण अवसंरचना अंतर्गत सामुदायिक भवन,नाली,अहाता एवं अन्य कार्य (191 कार्य) 24.12 करोड़, पुलिस कार्यालय में जनरेटर स्थापना 61.84 लाख,कन्वेन्शनल हॉल में अहाता और हाई मास्ट लाइट 91.56 लाख,कृषि और पशु चिकित्सा कार्य,174 कृषि पंपों का विद्युतिकरण हेतु 1.73 करोड़,पशु चिकित्सक भर्ती, मिट्टी परीक्षण,डेयरी कार्य 57.48 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि डीएमएफ फंड का उपयोग कोरबा विधानसभा क्षेत्र के संतुलित विकास और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए किया जा रहा है। सभी 399 कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक हुई सम्पन्न

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु विभागों को दिए गए कड़े निर्देश

-संवाददाता-
एमसीबी,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ परिवहन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन के सभा कक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक अनुज शर्मा, सचिव सह परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश, सचिव लोक निर्माण विभाग डॉ. कमलप्रीत सिंह, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रदीप गुप्ता, प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में सचिव परिवहन विभाग एस. प्रकाश ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। इसके पश्चात् संजय शर्मा,अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) ने विभागवार समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 के जनवरी से अगस्त तक प्रदेश में कुल 10,431 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.23% अधिक है। घायलों की संख्या 9,132 रही जो 8.64% की वृद्धि को दर्शाती है, वहीं 4,770 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जो 2.51% अधिक है। वहीं मंत्री कश्यप ने इस चिंताजनक वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी संभागायुक्तों,पुलिस महानिरीक्षकों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनसंख्या के आधार पर दुर्घटनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण करें तथा रोकथाम हेतु ठोस कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों द्वारा दुर्घटनाओं में कमी लाने के सफल उपायों को छत्तीसगढ़ में भी लागू किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि स्कूली, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थानों में छात्र केवल हेलमेट पहनकर ही प्रवेश करें। हाईवे और रिंग रोड पर बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह तथ्य सामने आया कि राज्य के 33 जिलों में जिला सड़क सुरक्षा समितियों की 264 निर्धारित बैठकों के मुकाबले केवल 108 बैठकें आयोजित हुईं, जिसे माननीय मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक प्रत्येक माह अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए और बैठक की जानकारी मोर्थ पोर्टल पर अपलोड कर समीक्षा सुनिश्चित की जाए। प्रदेश में सड़क सुरक्षा प्रवर्तन कार्यों के अंतर्गत पुलिस विभाग ने जनवरी से अगस्त 2025 के दौरान 6,03,283 प्रकरणों में 26.95 करोड़ रुपए का शमन शुल्क वसूला,वहीं परिवहन विभाग ने 5,55,666 चालानी प्रकरणों से 115.54 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की। पुलिस विभाग की यह कार्रवाई पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक रही। राज्य में वर्ष 2019 से अब तक चिन्हित 1000 ब्लैक स्पॉट में से 887 का सुधार कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 113 स्थानों पर कार्य शेष है। मंत्री ने शेष ब्लैक स्पॉटों के सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार 4273 चिन्हित जंक्शनों में से 3148 का सुधार कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 1125 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि ट्रक ले-बाय के 55 में से 42 पूर्ण हो चुके हैं, बस ले-बाय के 558 में से 374 तैयार हैं तथा 11 में से 7 रेस्ट एरिया कार्य पूर्ण हैं। मंत्री ने निर्देश दिए कि शेष कार्यों को तत्काल गति दी जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के त्वरित उपचार हेतु ट्रामा सेंटर्स और एम्बुलेंस सुविधाओं की जानकारी दी गई। रायपुर और सिमगा में ट्रामा स्टेब्लाइजेशन सेंटर प्रारंभ हो चुके हैं जबकि अन्य केंद्र निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने निर्देश दिए कि शेष केंद्रों को शीघ्र प्रारंभ किया जाए और सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस इलाज योजना के तहत तत्काल लाभ मिले,यह सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा विभाग ने बताया कि सड़क सुरक्षा विषयक सामग्री को पहली से दसवीं कक्षा तक के पाठ्यक्रम में संशोधित कर आगामी सत्र 2025-26 से लागू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। मंत्री ने स्कूलों में निबंध,वाद-विवाद,चित्रकला, क्विज, रैली और नुक्कड़ नाटक जैसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा माह के दौरान एनएसएस/एनसीसी और भारत स्काउट-गाइड के स्वयंसेवकों को जन-जागरूकता अभियानों में शामिल करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के माध्यम से अब तक 32,326 लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और राज्य के आठ स्थानों पर ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर संचालित हैं,जहां अब तक 1,97,295 वाहनों का परीक्षण किया गया।

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला सूरजपुर छत्तीसगढ
कलेक्टोरेट परिसर सूरजपुर,जिला सूरजपुर,497229
Email - miningsurajpur26@gmail.com

क्रमांक / 768 / रेत / 2025 सूरजपुर दिनांक 15/10/25

निविदा आमंत्रण सूचना

गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन पट्टा खदान आबंटन हेतु इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन)

सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (खनि शाखा) जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के नियम - 7 के तहत इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से प्रथम चरण में 01 साधारण रेत उत्खननपट्टा खदान नरेशपुर - 1, ग्राम पंचायत नरेशपुर, तहसील सूरजपुर आबंटन किया जाना है, जिस हेतु आर्हता प्राप्त बोलीदार इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है।

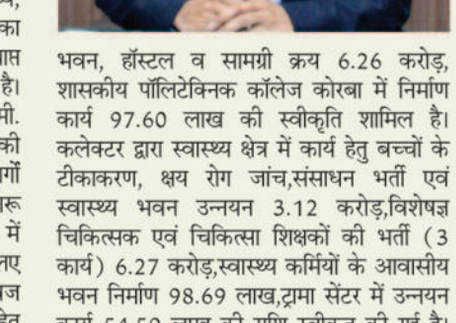

इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु तकनीकी एवं वित्तीय बोली 07 दिवस, दिनांक 05.11.2025 से 11.11.2025 (05:30 PM तक) ऑनलाईन केवल MSTC पोर्टल https:// www.mstcecommerce.com/auctionhome/mmb/ sandcg/index.jsp के माध्यम से स्वीकार की जायेगी। निविदा के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी MSTC पोर्टल, खनिज साधन विभाग की वेबसाईट https://chhattisgarhmines.gov.in/ जिला कार्यालय की वेबसाईट https://surajpur.nic.in/ तथा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला सूरजपुर (छ0ग0) एवं संबंधित ग्राम पंचायत /जनपद पंचायत / जिला पंचायत भवन के सूचना पटल में अवलोकन कर प्राप्त कर सकता है।

कलेक्टर
जिला सूरजपुर

जी.नं.-252604295/2

आमापानी मंदिर परिसर में सांसद मद से हुआ शेड निर्माण,ग्रामीणों ने जताया आभार

-संवाददाता-
सोनहत,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सोनहत रामगढ़ के मुख्य मार्ग के सघन वनो के बीच स्थित आमापानी हनुमान मंदिर में सासंद मद से शेड निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, सोनहत रामगढ़ के ग्रामीणों की काफी दिनों से शेड को लेकर मांग की जा रही थी जिसे सांसद मद से ग्राम पंचायत द्वारा बना दिया गया है। शेड बनने से श्रद्धालुओं और मानस प्रेमियों को सुविधा मिल सकेगी ग्रामीणों ने सांसद ज्योत्स्ना महंत का आभार जताया है।

सोनहत में शेड निर्माण अभी तक शुरू नही- वही ग्राम पंचायत सोनहत में भी पूर्ववर्ती सरकार के समय से सांसद मद शेड व चबूतरा की स्वीकृति महामाया मंदिर में मिली है लेकिन निर्माण अभी तक शुरू नही होने से ग्राम जनों में नाराजगी है, ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र महामाया मंदिर में शेड निर्माण शुरू किए जाने की मांग किया है।

मुख्यमंत्री ने बगिया में सुनी लोगों की समस्या आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश

-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को अपने गृह ग्राम बगिया में जनदर्शन आयोजित कर आमजनों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में मुख्यमंत्री से आम नागरिकों ने मांगों एवं समस्याओं को रखा कुछ आवेदनों में तत्काल समाधान किया गया। जनदर्शन में आए ग्रामीणों, महिलाओं,किसानों,छात्रों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक व्यक्ति की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0......../ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीम इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा0लि0 द्वारा डायरेक्टर अतुल कुमार दुबे आ0 स्व 0 विजयनाथ दुबे निवासी मनेन्द्रगढ रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 212/17 रकबा 0.285 हे0 मेसे रकबा 1876 वर्गफीट भूमि को अनावेदक सुरेश मौर्य आ0आर0एन0 मौर्य निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रूपये 7,60,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । - समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक - 14/10 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) धौरपुर. जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0......../अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम पार्वतीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेखा गुप्ता पति प्रेमचन्द गुप्ता, जाति सोंडी, निवासी ग्राम पार्वतीपुर, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य भूमि स्थित ग्राम पार्वतीपुर, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 586/3, 586/4 रकबा क्रमशः 0.029, 0.032 हे0 भूमि को कृषि भिन्न से व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री, इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 24/10/2025 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) (जगत राम सतरंज)
अनुविभागीय अधिकारी
(रा)धौरपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0......../अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चरकू पिता लाली जाति पनिका निवासी असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 596 / 5, रकबा 0.180 हे0 में से 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सँहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 03/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0......../अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मी देवी अग्रवाल पत्नी कपुरचंद अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी महेश कालोनी गुढ़ियारी रायपुर जिला रायपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 243 /52 रकबा 0.044 हे0 में से 0.016 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सँहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 24/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 8/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से

(सील) अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रा0नि0म0 अम्बिकापुर-3 के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510022900003

विषय:अ.6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

मायापुर प.ह.न.00014
[11131(0.0140) हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार -रामविलास सिंह यादव
अनावेदक पक्षकार -श्रीमती विमला यादव

ईश्तहार

आवेदक रामविलास सिंह यादव आ0 स्व0 राम दुलार यादव निवासी वार्ड क्रमांक 20. केनाबांध अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0 के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 111/31 के राजस्व अभिलेखों में मृतिका स्व0 विमला यादव का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) लकेश्वर प्रसाद
नायब तहसीलदार
अंबिकापुर-3

भैयाथान में कलम बनाम कुर्सी....आखिर कौन डरेगा किससे?

रिश्वत के आरोपों के बीच नोटिस का नाटक...सच्चाई किससे डरती है?

संपादकीय टीम देगी भैयाथान तहसीलदार के नोटिस का जवाब

- पत्रकार ने उठाए थे सवाल,अब खुद पर उठे तीर,स्थानीय पत्रकार ओंकार पांडेय ने पूरे मामले पर खबरें प्रकाशित कर सच्चे पत्रकार होने का दिया परिचय तो बौखलाहट दिखी तहसीलदार में...
- तहसीलदार साहब की सही खबर छपी तो उनकी मानहानि हो गई,तहसीलदार साहब की वजह से किसी का सही मामला भी बेवजह खारिज हो गया वह कहां जाए?
- क्या तहसीलदार साहब 300 में अधिवक्ता से नोटिस बनवा कर पत्रकार पर दबाव बनाना चाहते है?
- तहसीलदार साहब खबर तो सही है,अब न्यायालय में ही तय होगा...पत्रकार व अखबार न्यायालय जाने के लिए तैयार...
- तहसीलदार के अधिवक्ता भी तहसीलदार के जैसे ही नौसिखिए हैं क्या?

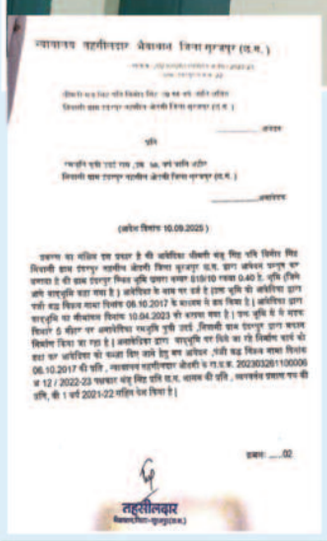

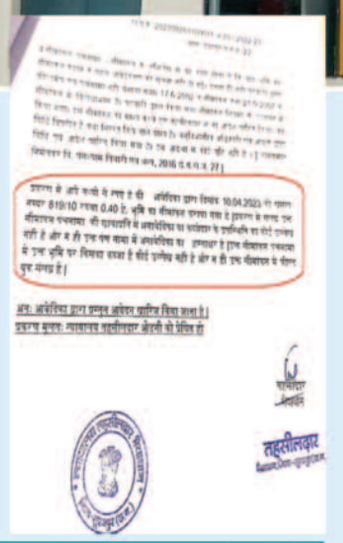

तहसीलदार साहब के द्वारा खारिज प्रकरण की कॉपी

-न्यूज डेस्क-
सूरजपुर,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भैयाथान तहसील में इन दिनों माहौल गर्म है,एक ओर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और दूसरी ओर उन आरोपों को उजागर करने वाले पत्रकार पर 10 लाख मानहानि का नोटिस पर सवाल कई सवाल हैं, अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या सच लिखना अब गुनाह हो गया है? क्या सिस्टम में बैठे लोग जवाब देने की बजाय डर दिखाने की राह पर हैं? यह संपादकीय विश्लेषण जनहित में प्रकाशित है, इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति की मानहानि करना नहीं है, बल्कि शासन और प्रशासन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना है। ज्ञात हो की जनदर्शन की शिकायत और रिश्वत का आरोप था शिकायतकर्ता सौरभ प्रताप सिंह ने कलेक्टर जनदर्शन (टोकन संख्या 2250325001838 में तहसीलदार शिव नारायण राठिया और नगर सैनिक संजय मिश्रा पर एक गंभीर आरोप लगाया था कि एक भूमि प्रकरण में आदेश करवाने के लिए 1 लाख की मांग की गई थी। जब शिकायतकर्ता ने पैसे देने से इनकार किया तो तहसीलदार ने प्रकरण को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि सीमांकन रिपोर्ट अस्पष्ट है और उस पर अनावेदक का हस्ताक्षर नहीं हैं। लेकिन रिकॉर्ड बताते हैं कि राजस्व निरीक्षक लक्ष्मी खलखो की रिपोर्ट में कब्जे की स्थिति स्पष्ट थी और अनावेदिका के हस्ताक्षर भी मौजूद थे तो क्या सीमांकन रिपोर्ट सचमुच अस्पष्ट थी? या फिर तहसीलदार का फैसला बचकाना था? क्या यह सवाल पूछना पत्रकार के लिए गुनाह था? क्या तहसीलदार साहब ऐसे न्यायालय की कुर्सी पर बैठकर कुछ भी लिखकर खारिज कर सकते हैं, क्या यह संविधान के खिलाफ नहीं है? उनका आदेश खुद में ही जांच का विषय है जिसे शायद उनके अधिवक्ता को भी पढ़ना था, पर उनके अधिवक्ता भी लगता है कि उन्हीं की तरह नौसिखिए थे जो उनका खारिज किया आदेश नहीं पढ़ सके, जिसके आधार पर खबर प्रकाशित हुई थी, खबर का सोर्स ही उनका खारिज करने का आदेश था, जिस आदेश में जो लिखा था वह अक्षरशः प्रकाशित किया गया था, जिसकी वजह से उनकी कार्यशैली पर प्रश्न था, पर उस प्रश्न पर वह ऐसा बौखलाए की पत्रकार को धमकाने के लिए 10 लाख का मानहानि का नोटिस भेज दिया,उनकी कमियां पत्रकार प्रकाशित नहीं करेगा तो क्या करेगा? क्या उनके आदेश में खारिज करने वाला शब्द सही था उन्हीं के अधीनस्थ अमला जो सीमांकन कर पंचनामा करता है उसकी कमी आवेदक पर भारी पड़ेगी? तहसीलदार साहब के साथ उनके अधिवक्ता को भी उनके आदेश को पढ़ना चाहिए और फिर तय करना चाहिए कि पत्रकार ने खबर सही प्रकाशित की या फिर खबर गलत प्रकाशित हुई, जिससे उनके क्लाइंट को मानहानि हो गया, यदि वह इतने ही ईमानदार अधिकारी हैं तो कोई ऐसा व्यक्ति है जो उनके अधीनस्थ न्यायालय से मिले फैसले से संतुष्ट होगा और बिना पैसे दिए वहां से काम करवाया होगा? ऐसे कितने आदमी है जो उनके कार्यालय से ईमानदारी से काम करवा लिए होंगे?

प्रशासनिक सवाल जो अब भी अनुत्तरित हैं...

जनदर्शन शिकायत संख्या 2250325001838 पर अब तक क्या कार्रवाई हुई? अगर शिकायत गलत थी, तो उसे झूठी घोषित करने की हिम्मत प्रशासन क्यों नहीं दिखा पाया? अगर शिकायत सही थी, तो जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? भैयाथान तहसील में भटगांव के नगर सैनिक संजय मिश्रा की बार-बार मौजूदगी का कारण क्या है? क्या यह नोटिस सिर्फ भय दिखाने का माध्यम है,ताकि कोई दोबारा आवाज न उठाए?

सत्ता बनाम पत्रकारिताः अब जनता देख रही है...

इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है जब अधिकारी खुद पर उठे आरोपों पर जवाब देने की बजाय पत्रकारों को नोटिस भेजने लगे, तो यह लोकतंत्र की सेहत के लिए शुभ संकेत नहीं, सत्ता और कलम के बीच यह संघर्ष नया नहीं, पर हर बार इतिहास ने यह साबित किया है कि कलम अंततः डरती नहीं सच्चाई बताती है।

राजेश सोनी सूरजपुर जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति भारत...

कलम को डराने की कोशिश,लोकतंत्र को कमजोर करती है लोकतंत्र में जब अधिकारी खुद को आलोचना से परे समझने लगते हैं,तो यही वह क्षण होता है जब पत्रकारिता को और मुखर होना पड़ता है। सच की राह आसान नहीं होती पर अगर कलम डर गई, तो फिर झूठ ही राज करेगा।

जिनमें सीधे सवाल पूछे गए...

- **सवाल :** क्या यह नौसिखिए तहसीलदार का बचकाना फैसला था?
- **सवाल :** क्या अधिकारी अब मांग पूरी न होने पर प्रकरण खारिज करने लगे हैं?
- **सवाल :** भैयाथान में भटगांव का नगर सैनिक संजय मिश्रा आखिर इतनी बार क्यों दिखता है?
- **नोटः-** इन सवालों के जवाब देने के बजाय, तहसीलदार ने पत्रकार को ही 10 लाख रुपये की मानहानि का नोटिस भेज दिया।

अब यही सवाल जनता पूछ रही है...

- **सवालः** क्या यह नोटिस सच्चाई छिपाने का प्रयास है?
- **सवालः** क्या सवाल पूछना अब अपराध बन गया है?
- **सवालः** क्या सरकारी पद अब आलोचना से ऊपर हो गए हैं?

अब नोटिस के बाद मामले में नया सवाल

- **सवाल :** क्या इस पूरे प्रकरण के पीछे कोई और छिपा है?
- **सवाल :** भैयाथान तहसील के भीतर चर्चाएं यह भी हैं कि क्या इस पूरे मामले में तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौड़ की कोई भूमिका रही है?
- **सवाल :** क्या यह संभव है कि उन्होंने ही वर्तमान तहसीलदार शिव नारायण राठिया को इस प्रकरण में किसी तरह प्रभावित या उकसाया हो?

जनता अब यह जानना चाहती है...

- क्या संजय राठौड़ और शिव नारायण राठिया के बीच इस मामले को लेकर कोई संवाद या निर्देश हुए थे?
- क्या किसी प्रशासनिक स्तर पर इस पूरे प्रकरण को दिशा देने की कोशिश की गई थी?
- अगर नहीं तो प्रशासन को यह स्पष्ट करने में क्या कठिनाई है और अगर हां तो क्या यह पद के दुरुपयोग की श्रेणी में नहीं आएगा? ये प्रश्न किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए नहीं,बल्कि पारदर्शिता की अपेक्षा में पूछे जा रहे हैं, क्योंकि जनता को सिर्फ निर्णय नहीं,उस निर्णय के पीछे की प्रक्रिया भी जानने का अधिकार है।

भारतीय कानून क्या कहता है...

भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत यदि कोई समाचार सत्य, तथ्यों पर आधारित और सार्वजनिक हित में प्रकाशित है तो उसे मानहानि नहीं कहा जा सकता। सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के सार्वजनिक आचरण पर टिप्पणी करना पत्रकारों का अधिकार ही नहीं,बल्कि लोकतंत्र का दायित्व है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सरकारी पद अब सवालों से ऊपर हो गए हैं?

खबर दबाने की कोशिश या न्याय से बचने की कवायद?

मानहानि नोटिस भेजने की यह प्रवृत्ति अब धीरे-धीरे एक हथियार बनती जा रही है, सवालों से बचने के लिए,जवाब देने से बचने के लिए। यह कानूनी हथियार का उपयोग नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भय दिखाने की कोशिश प्रतीत होती है। पत्रकारिता का काम अदालत लगाना नहीं,बल्कि सवाल पूछना है। लेकिन जब सवाल पूछने पर नोटिस आने लगें तो फिर जनता किस पर भरोसा करें?

कानूनी पहलू...क्या पत्रकार ने गलत किया?

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार यदि कोई खबर सत्य तथ्यों पर आधारित और सार्वजनिक हित में प्रकाशित की जाती है, तो वह भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) के तहत अपराध नहीं मानी जाती। बल्कि ऐसा प्रकाशन नेक नीयत और सार्वजनिक कर्तव्य के दायरे में आता है। पत्रकार का काम किसी पर फैसला देना नहीं,बल्कि सवाल पूछना और जनता तक सच्चाई पहुंचाना है। अगर यही काम अब डर की वजह बन जाए तो लोकतंत्र का क्या होगा?

सूरजपुर जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति भारत

कलम को डराने की कोशिश,लोकतंत्र को कमजोर करती है लोकतंत्र में जब अधिकारी खुद को 'आलोचना से परे' समझने लगते हैं तो यही वह क्षण होता है जब पत्रकारिता को और मुखर होना पड़ता है। सच की राह आसान नहीं होती पर अगर कलम डर गई,तो फिर झूठ ही राज करेगा।

राजेश सोनी

उपेन्द्र दुबे वरिष्ट पत्रकार

नोटिस से सच्चाई नहीं रुकती मानहानि नोटिस भेजने से न तो सवाल रूकते हैं न ही सच्चाई दबती है। अगर किसी अधिकारी के खिलाफ आरोप झूठे हैं,तो उन्हें खुलकर सामने आकर सफाई देनी चाहिए क्योंकि जो सच में निर्दोष होता है,वह जवाब देता है नोटिस नहीं भेजता।

मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना कर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की

-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में सपरिवार प्रतीक स्वरूप गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना की और प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की इस अवसर पर मुख्यमंत्री की माता श्रीमती जसमनी देवी साय मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय और परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा एक पवित्र त्यौहार है इस दिन अन्नकूट की परंपरा निभाई जाती है। एक महत्वपूर्ण हिंदू पर्व है,जो दीपावली के अगले दिन,कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है। यह पूजा भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को उठाने की लीला की स्मृति में की जाती है। उन्होंने कहा कि

गोकुलवासियों को लगातार वर्षा और संकट का सामना करना पड़ा, तब भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठाकर गांववासियों को शरण दी। जिससे आने वाले संकट को दूर किया जा सके। इस दिन गोवर्धन का चित्र या प्रतीक बनाया जाता है। घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत का चित्र या आकृति बनाई जाती है। अन्नकूट के तहत तरह-तरह के पकवान,सब्जियां,मिठाइयां बनाकर थाल में सजाए जाते हैं इसे अन्नकूट कहा जाता है। भगवान कृष्ण की पूजा कर उन्हें अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा के दिन गायों की विशेष पूजा की जाती है। जिससे गोवंश के संरक्षण संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा।

घटती-घटना की खबर का हुआ असर देवी धाम मार्ग पर धसी पुलिया का हुआ मरम्मत

वन विभाग ने कराया मरम्मत,आवागमन हुआ शुरू,आस्था का केंद्र देवी धाम की हुई रंगाई-पुताई

-राजन पाण्डेय-
सोनहत,22 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

घटती-घटना की खबर ने एक बार फिर अपना असर दिखाया है, विकासखण्ड मुख्यालय सोनहत के पंडो पारा क्षेत्र स्थित देवी धाम मार्ग में बनी ह्यूम पाइप पुलिया धंस जाने से आवागमन ठप्प हो गया था जिसे लेकर घटती-घटना ने प्रमुखता से समाचार का प्रकाशन किया था जिसे वन परिक्षेत्राधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मरम्मत कार्य करा दिया है मरम्मत होने के बाद देवी धाम मार्ग पर आवागमन शुरू हो गया है। आवागमन चालू ग्रामीणों ने जताया आभार-पुलिया धसने से आवागमन ठप हो गया था और ग्रामीणों में नाराजगी का आलम निर्मित हो गया था पुलिया का मरम्मत होने व आवागमन सुगम हो जाने से पंडो पारा सोनहत खुटरा पारा के ग्रामीणों ने विभाग

एवं घटती-घटना अखबार का आभार जताया है। प्रकृति की अनुपम छटा एवं आस्था का केंद्र भी है देवीधाम-सोनहत का देवी धाम अत्यंत प्राचीन स्थल है जहां पर माँ ज्वालामुखी बिराजमान है और इनका मंदिर है लोग यहां पर अपनी आस्था को लेकर पूजन करने आते हैं मंदिर काफी प्राचीन है। ग्रामीणों की आस्था एवं मांग पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने यहां पर एक शेड भी बनवाया जिसके बाद लोगो को पूजन एवं भक्ति कार्यक्रम करने में काफी सुविधा हो गई है। मंदिर के नीचे कल कल करता झरना बहता है और सामने में पहाड़ के साथ प्रकृति की हरियाली भी है जिसकी सुंदरता देखते ही बनती है। यहां पर लोग पिकनिक मनाने भी आते हैं घटती-घटना में खबर प्रकाशित होने के बाद कोरिया जन सहयोग समिति व वन परिक्षेत्राधिकारी सोनहत की मदद से मंदिर परिसर की रंगाई-पुताई कार्य भी कराया गया है जिससे ग्रामीणों ने खुशी जाहिर किया है।

अपने आखिरी दिनों में शेफाली जरीवाला ने मुझसे बात की थी सलमान कभी मेरे बीएफ नहीं रहे : क्लॉडिया सिएस्ला

जर्मन-पोलिश मूल की एक्ट्रेस क्लॉडिया सिएस्ला ने बिग बॉस 3 में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वह क्या कूल हैं हम और देसी कट्टे जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार के साथ उनका आइटम नंबर बलमा सुपरहिट रहा। बीते कुछ समय से वह एक्ट्रेस होने के साथ ही न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में भी प्रैक्टिस कर रही हैं। क्लॉडिया ने शेफाली जरीवाला संग अपनी आखिरी मुलाकात,सलमान खान से रिश्ते पर बेबाक बातचीत की है। क्लॉडिया बताती हैं कि अभिनय के अलावा हेल्थ और फिटनेस ने हमेशा से ही आकर्षित किया है। वह कहती हैं,मैंने न्यूट्रीशियनिस्ट का कोर्स किया। मैंने जब मॉडलिंग और एक्टिंग शुरू की थी, तब साइज जीरो और एजलेस लुक का बहुत प्रेशर था। आज भारत में डायबिटीज,मोटापा और क्रोनिक बीमारियां बढ़ रही हैं,फिर भी लोग साइज जीरो और हमेशा जवान दिखने के दबाव में रहते हैं। अब Ozempic जैसे अनहेल्दी शॉर्टकट्स अपनाए जा रहे हैं,जबकि सही रास्ता लाइफस्टाइल में सुधार है।

सलमान खान बहुत सपोर्टिव हैं...

क्लॉडिया का नाम एक तरफ सलमान खान से जुड़ा था, तो दूसरी तरफ बिग बॉस के कंटेस्टेंट प्रवेश राणा के साथ भी उनके लिंकअप्स की ख़बरें थीं। इस पर वह हंसते हुए कहती हैं, बिग बॉस 3 में, सिर्फ मैं और प्रवेश सिंगल थे, बाकी सब शादीशुदा थे। हम अच्छे दोस्त थे, लेकिन कुछ लिमिटेड फुटेज देखकर लोगों ने बातों को बढ़ा-चढ़ा दिया। जहां तक सलमान खान से नाम जुड़ने की बात है, हम सिर्फ एक पार्टी में मिले थे। न जाने कैसे अफवाह बन गई। मैं कई साल से इस बात का खंडन कर रही हूं। सलमान अच्छे इंसान और सपोर्टिव फ्रेंड हैं, मगर वो मेरे बॉयफ्रेंड नहीं हैं। मेरे बॉयफ्रेंड हैं अर्जुन गोयल, वो मेरे सोलमेट हैं। हम चाहते हैं जिंदगी साथ बिताएं और शायद आगे किसी रियलिटी शो में साथ नजर भी आएं।

बिग बॉस में आई,तब पहली बार अमिताभ बच्चन को सर्च किया...

क्लाउडिया आगे कहती हैं, ये 2009 की बात थी। मैं अपनी एक फिल्म का प्रमोशन करने इंडिया आई थी। जब मुझे बिग बॉस का ऑफर मिला और बताया गया कि इसे अमिताभ बच्चन होस्ट करने वाले हैं, तब मैंने पहली बार अमिताभ बच्चन को सर्च किया था। उस वक्त बिग बॉस का सीजन 12 हफ्तों का था और मैं दस हफ्तों तक रही। मेरे करियर के लिए वो टर्निंग पॉइंट था।

तेजी से वजन कम करना रिस्की और अनहेल्दी है...

सेलेब्स के बीच कथित तौर पर Ozempic के बढ़ते चलन पर क्लॉडिया सिएस्ला कहती हैं, एक न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में मेरी कोशिश है कि एक मिलियन लोगों की जिंदगी में पॉजिटिव बदलाव लाऊं। शरीर को मंदिर की तरह समझें, शॉर्टकट्स नहीं अपनाएं। जैसे वजन बढ़ने में समय लगता है, वैसे ही घटाने में भी। तेजी से वजन कम करना रिस्की और अनहेल्दी है। खासकर इस तरह की दवाइयां बुरा असर ही डालती हैं।

अपने आखिरी दिनों में शेफाली ने मुझसे बात की थी...

शेफाली जरीवाला के अकस्मात निधन ने सभी को सकते में डाल दिया था। उनके बारे में चर्चा थी कि वे एंटी एजिंग पिल्स ले रही थीं और जिस दिन वे गुजरीं उन्होंने व्रत में ये पिल्स ली थीं। इस पर क्लॉडिया कहती हैं,शेफाली मेरी अच्छी दोस्त थी,इसलिए ये मेरे लिए भी काफी शॉकिंग था। हेल्थ और ब्यूटी को लेकर हमारी बात हुई थी। वो काफी हेल्थ कॉन्शियस थी और हमेशा फिटनेस को महत्व दिया करती थीं। उसको जिम भी जाना होता था। वो हमेशा हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाया करती थी। मुझे कभी नहीं लगा कि उसे इतनी सलाह की जरूरत थी। वो जो चाहती थी, पूछ लेती थी,तो जब ये खबर आई,तो मैं तो सदमे में आ गई थी।

रोजाना दो घंटे हिंदी क्लासेज लिया करती थी...

मूल रूप से पोलिश-जर्मन अभिनेत्री क्लॉडिया की हिंदी काफी अच्छी है। इसके पीछे का का राज बताते हुए वे कहती हैं, बिग बॉस में आने से पहले किसी ने मुझे ये बात नहीं बताई कि यहां अंग्रेजी अलाउड नहीं है। मेरे लिए ये काफी चुनौतीपूर्ण रहा तो जब मैं बिग बॉस के घर से बाहर आई, तो मैंने हिंदी सीखने का प्रण लिया। मैंने एक टीचर रखा और रोजाना दो घंटे हिंदी की क्लासेज लीं। मैंने अपने सभी दोस्तों से कहा,मुझसे हिंदी में बात करो। मुझे हिंदी बहुत ही प्यारी भाषा लगती है।

अक्षय के साथ बलमा सॉन्ग मास्टरक्लास रही...

हाल ही में फिल्मफेयर अवॉर्ड फंक्शन में क्लॉडिया ने अक्षय कुमार के साथ बलमा गाने पर परफॉर्म किया। वह पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहती हैं, खिलाड़ी 786 में मुझे अक्षय कुमार के साथ डांस करने का मौका मिला और मैं कह सकती हूं कि ये मेरे लिए डांस की मास्टर क्लास थी। एक तरह से बॉलीवुड में मेरी एंट्री। अक्षय काफी एनर्जेटिक थे। वो मेरा पहला गाना था। मैंने उनसे काफी स्टेप्स सीखे। गाने की शूटिंग के दौरान मुझे अगर एक और टेक चाहिए था, तो अक्षय सर ने खुशी-खुशी दिया। वे निर्देशक के एक्टर हैं।

इंडस्ट्री में हर कोई शाहरुख का कर्जदार,आर्यन का जेल में 28 दिन... सोच कर बहुत बुरा लगता है : अरशद वारसी

अरशद वारसी के करियर पर नजर डाली जाए तो कई घुमावदार मोड़ आए। कॉस्मेटिक बेचने वाले सेल्स मैन,असिस्टेंट डायरेक्टर, कोरियोग्राफर,हीरो,कॉमिक अदाकार जैसे रूपों से गुजरने वाले अरशद को इंडस्ट्री में 25 साल से भी ज्यादा का वक्त हो गया है। बेबाक अरशद ने कई इंटेंस किरदार किए, मगर दर्शकों को उनका सर्किट वाला रूप ज्यादा भाया। जॉली एलएलबी 3 की कॉमेडी के बाद अरशद एक बार फिर भागवत चैप्टर वन-राक्षस की इंटेंस भूमिका से। इससे पहले भी अरशद इश्किया और सहर जैसी फिल्मों में संजीदा भूमिकाएं कर चुके हैं। इस खास मुलाकात में वे फिल्म, अपनी बेटी की सेफ्टी,अपनी स्मोकिंग की लत,आर्यन खान के बुरे दौर और सेबी के विवादों पर बेबाकी से करते हैं।

आज इंसानी रूप में हमारा काफी उत्थान हुआ है, मगर आपको अपने आस-पास लड़कियों से जुड़ी क्या बात कचोटती है?

असमानता हमेशा खटकती ही है, मगर आज हम 2025 में हैं और महिलाएं आज भी सिक्योर नहीं हैं,वो बातें मुझे बहुत बुरी लगती हैं। मेरी बेटी 18 साल की है और हमारी फैमिली जब छुट्टी पर जाती है, तो सिंगापुर और दुबई जैसी इक्का-दुक्का जगहें हैं, जहां मैं अपने परिवार और बेटी को दिन या रात में आराम से कहीं बाहर जाने देता हूं। इन जगहों पर इन्हें घूमना-फिरना होता है, तो मुझे फिक्र नहीं होती। इसके अलावा मैं कहीं भी इन्हें भेजूं,तो मुझे फिक्र होती है। लंदन, यूएस, पूरी दुनिया ऐसी है। हालांकि अच्छा लगता है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए एक नंबर है,आप उसे डायल कर लो, तो पुलिस आपको एस्कॉर्ट करती है। मैंने वो नंबर अपने बच्चों को दिया हुआ है। एक सुरक्षित माहौल क्रिएट करने के लिए सरकार और पुलिस लगातार जद्दोजहद करते रहते हैं। देखिए, बुरे लोगों का कोई मजहब नहीं होता। वे हर जगह होते हैं। मजबूरी है कि हमें उन लोगों के साथ जीना पड़ता है।

अरशद आप जिस तरह से कॉमिक भूमिकाओं में मजे करवाते हैं, उसी तरह इंटेंस किरदारों की गहराई में भी ले जाते हैं, कितना आसान या मुश्किल होता है आपके लिए?

मैं हमेशा से कहता हूं कि एक एक्टर को एक्शन और कट के बीच उस किरदार में घुसना चाहिए,बाकी के समय वो जितना नॉर्मल रहे, उतना अच्छा है। हमने देखा है कि 90 प्रतिशत अदाकार सनकी हो जाते हैं। असल में आप जिस पर्सनैलिटी से पैदा हुए हैं, उसको कभी नहीं देखते। जब आप काम कर रहे हैं, तो कोई और बंदे हैं और काम के बाद लोगों के सामने कोई और। आप जो असल में होते हैं, सिर्फ उसी वक्त जब आप अकेले होते हैं या फिर आप जब अपने परिवार के साथ हों। असल में अभिनय की प्रक्रिया बहुत खतरनाक होती है। उसे कई मुखोटों के साथ जीना पड़ता है। कई बार आपने देखा होगा कि कई कलाकार अपनी फिल्म खत्म होने के बाद कारपेंटरी या फिर खेती-बाड़ी करने चले जाते हैं, तो ये बहुत जरूरी होता है कि उस किरदार से निकल जाना। अभिनय मूल रूप से मेंटल वर्क है।आपको अपने दिमाग को किसी और की सोच और पर्सनैलिटी में ढालना होता है तो जरूरी है कि उस कैरेक्टर को छोड़ कर अपने आप में आ जाओ, क्योंकि जीना-मरना आपको खुद के साथ है। कई एक्टर्स अपने चरित्रों में इतने घुस जाते हैं कि बाहर ही नहीं आते। ये बहुत रिस्क है, एक जॉब के प्रेशर जैसा।

सबसे मुश्किल दौर क्या था?

मैं ये नहीं कह सकता कि जब काम नहीं था,तो वो सबसे मुश्किल दौर था। तब भी उतना खराब नहीं था। मैं ठीक था। पता नहीं ये कहना चाहिए या नहीं, मुझे कहने में बुरा लग रहा है, मगर ये फिल्म के वक्त मैं बहुत प्रेशर में था,बहुत ज्यादा,क्योंकि मुझ पर जबरदस्ती का सेबी का केस आ गया था और फिर मैं फंस गया। मेरे दिमाग में इतना ज्यादा प्रेशर था। बहुत टफ टाइम था। मेंटली मैं सही स्थिति में नहीं था। बहुत टेरीबल था। देखिए,आपकी खुद की मुसीबत को आप कंट्रोल कर सकते हैं, मगर बाहर से आई मुसीबत पर आपका नियंत्रण नहीं रहता। कहीं से भी कुछ भी आ सकता है और उसको आपको डील करना पड़ता है। ऐसे हालातों का सामना आपको करना ही पड़ता है। उस वक्त सभी को लगा था कि पता नहीं मैं क्या -क्या पीना शुरू कर दूंगा। मैं बता नहीं सकता कि मेरे दिमाग में क्या-क्या चल रहा था और उसके बीच में ये इंटेंस रोल। ये बहुत ही बुरा दौर था और मैं कभी नहीं चाहूंगा कि ये दोबारा आए।

दीपिका पादुकोण-रणवीर सिंह ने दिखाई बेटी की पहली झलक

दिवाली पर कई तस्वीरें शेयर कीं...कपल के बचपन से हुई तुलना

दिवाली के खास मौके पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने बेटी दुआ पादुकोण का चेहरा रिवील किया है। कपल ने दिवाली में बेटी दुआ को थामे हुए कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। बेटी की तस्वीर के साथ दीपिका-रणवीर ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

दुआ की खूबसूरती देख सेलेब्स ने बांधे तारीफों के पुल

दीपिका-रणवीर द्वारा शेयर की गई दुआ की तस्वीरें देख बॉलीवुड सेलेब्स लगातार उनके लिए कमेंट्स कर रहे हैं। राजकुमार राव ने कमेंट के जरिए दुआ की क्यूटनेस की तारीफ की है,वहीं प्रियंका चोपड़ा ने भी दुआ के लिए आशीर्वाद भेजा है।

पहले भी सामने आ चुका है दुआ का वीडियो

कपल द्वारा बेटी दुआ का चेहरा रिवील किए जाने से पहले अगस्त में भी एक वीडियो सामने आ चुका है, जिसमें दुआ का चेहरा साफ तौर पर देखा गया था। वीडियो एयरपोर्ट का था, जहां एक फैन ने चोरी-छिपे दीपिका की गोद में बैठी हुई दुआ का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था। इस दौरान एक्ट्रेस काफी नाराज नजर आईं और फैन को रिकॉर्ड न करने की हिदायत देती दिखी थीं। हालांकि वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद एक्ट्रेस की टीम ने मशक्कत से वीडियो डाउन करवाई थी।

दीपिका-रणवीर के बचपन से हुई दुआ की तुलना : दुआ की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उनके लुक की तुलना लगातार

दीपिका-रणवीर से की जा रही है। दुआ में काफी हद तक रणवीर सिंह की झलक देखने को मिल रही है।

2012 में हुआ प्यार, 2018 में शादी फिर 2024 में बने पेरेंट्स

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की लव स्टोरी की शुरुआत साल 2012 में फिल्म गोलियों की रासलीलाःरामलीला के सेट पर हुई थी। साथ समय बिताते हुए दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। करीब 3 साल तक डेट करने के बाद साल 2015 में रणवीर सिंह ने दीपिका पादुकोण को शादी के लिए प्रपोज किया था। दोनों ने सीक्रेटली सगाई कर ली थी, जिसके बाद साल 2018 में कपल ने इटली के बिला डेल बालबियानो में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। दीपिका ने 8 सितंबर 2024 को बेटी दुआ को जन्म दिया था।

खेल समाचार

पाकिस्तान विमेंस वनडे वर्ल्ड कप से बाहर

साउथ अफ्रीका ने 150 रन से हराया, अब 3 टीमों में सेमीफाइनल के चौथे स्थान की जंग

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। पाकिस्तान की टीम विमेंस वनडे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। टीम को साउथ अफ्रीका के सामने छठे मैच में डीएलएस मेथड के तहत 150 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ गया। इसी के साथ साउथ अफ्रीका पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। टीम का आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया से होगा। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बारिश के कारण पहली पारी को 40 ओवर का कर दिया गया। साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट खोकर 312 रन बना लिए। डकवर्थ लुईस मेथड के कारण पाकिस्तान के 306 रन का टारगेट मिल गया। साउथ अफ्रीका के लिए कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 90, सुने लुस ने 61 और मारिजान कैप ने 68 रन बनाए। नदिन डी क्लर्क ने 16 गेंद पर 4 छक्के और 3 चौके लगाकर 41 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के लिए नशरा संधू और सादिया

इकबाल ने 3-3 विकेट लिए। कप्तान फातिमा सना को 1 विकेट मिला। 2 बैटर रन आउट भी हुईं। पाकिस्तान की बैटिंग के दौरान भी बारिश होने लगी। इस कारण उन्हें 20 ओवर में 234 रन का टारगेट मिला। टीम 7 विकेट खोकर 83 रन ही बना पाई। सिद्रा नवाज ने 22, नतालिया परवेज ने 20 और सिद्रा अमीन ने 13 रन बनाए। बाकी कोई भी बैटर 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सकीं। साउथ अफ्रीका के लिए मारिजान कैप ने 20 रन देकर 3 विकेट लिए। नोन्दुमिसो शंगासे को 2 विकेट मिले। आयाबोंगा खाका ने 1 विकेट लिया। वहीं एक बैटर रन आउट हुईं। दोहरे प्रदर्शन के लिए मारिजान कैप को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। साउथ अफ्रीका के साथ ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने भी सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। आखिरी स्थान के लिए भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका में जंग है। भारत का अगला मैच न्यूजीलैंड से ही है। इस मैच को जीतने वाली टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस बहुत ज्यादा बढ़ जाएंगे। पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश भी सेमीफाइनल की रेस से बाहर है। दोनों का 1-1 मैच बाकी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मैच आज

एडिलेड में 17 साल से वनडे नहीं हारा भारत,ऑस्ट्रेलिया से मैच आज 25% बारिश का अनुमान

एडिलेड,23 अक्टूबर 2025। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम का दूसरा पड़ाव एडिलेड ओवल में है। आज सुबह 9 बजे से दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। मेजबान टीम पहला वनडे जीतकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। भारत के लिए दूसरा वनडे मैच बेहद अहम है। अगर भारतीय टीम यह मुकाबला हार जाती है, तो सीरीज गंवा देगी। एक जीत हमें बराबरी पर ला सकती है। भारत एडिलेड के मैदान पर पिछले 17 साल से वनडे मैच नहीं हारा है। टीम के पास लगातार तीसरी जीत हासिल करने का मौका भी है। विराट कोहली भी इस मैदान पर हर दूसरे मैच में शतक लगा रहे हैं। अब देखना यह है कि कोहली अपने पसंदीदा मैदान पर भारतीय टीम को जीत दिला पाते हैं या नहीं।

एडिलेड ओवल भारत के होमग्राउंड जैसा : ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल ग्राउंड भारत के होमग्राउंड जैसा है। भारतीय टीम ने यहां 15 मैच खेले हैं। उसने इनमें से 9 मैच जीते हैं, जबकि 5 में उसे हार मिली है। यानी भारत की जीत-हार का रेसियो 1.800 है, जोकि अन्य ऑस्ट्रेलियाई मैदानों

से ज्यादा है। टीम इंडिया को इस मैदान पर आखिरी हार 19 फरवरी 2008 को श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। इस मैदान पर भारत के पास ऑस्ट्रेलिया पर लगातार तीसरी जीत हासिल करने का मौका है। टीम ने यहां पिछले दोनों मैच जीते हैं। उससे पहले के 4 मैच कंगारुओं ने जीते हैं। इस मैदान पर दोनों ने कुल 6 मैच खेले हैं। ओवरऑल बात करें तो भारत-ऑस्ट्रेलिया ने कुल 153 वनडे मैच खेले हैं। इनमें से भारत ने 58 मैच जीते, जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम 85 मैच रहे। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर भारत ने कंगारुओं के खिलाफ 55 मैच खेले हैं। इनमें से 14 जीते और 39 हारे हैं।

कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए, जडेजा टॉप विकेट टेकर : मौजूदा टीम की बात करें तो विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 51 मैचों में 53.28 के एवरेज से 2451 रन बनाए हैं। इस मैदान पर कोहली ने 4 मैच खेले हैं और 61.00 के एवरेज से 244 रन बनाए हैं। वे 2 शतक भी लगा चुके हैं यानी कोहली एडिलेड की हर दूसरी पारी में शतक लगाते हैं। गेंदबाजी में रवींद्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। वे 45 मैच में 39 विकेट ले चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टीम में कप्तान मिचेल मार्श ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वे 24 मैच में 39.29 के एवरेज से 943 रन बना चुके हैं। मार्श ने 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं। गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क ने 20 मैचों में भारत के 31 विकेट झटके हैं।

एडिलेड में 25% बारिश के आसार

आज एडिलेड के आसमान पर बादल छाए रहेंगे। यहां पर 25% बारिश के आसार हैं। दिन का अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रहेगा। पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में बारिश के कारण ओवर घटाने पड़े थे। दूसरे मुकाबले में भी बारिश खलल डाल सकती है।

राज्योत्सव 2025...वायुसेना की सूर्यकिरण टीम करेगी एयरशो

देश का पहला आदिवासी डिजिटल संग्रहालय शुरू होगा, पीएम मोदी बच्चों से मिलेंगे, आवास भी सौंपेंगे

रायपुर,22 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ इस साल 1 नवंबर को अपना 25 वां स्थापना दिवस मनाएगा। राज्य सरकार ने इसे सिर्फ जश्न नहीं, बल्कि गर्व और पहचान का उत्सव बनाने की तैयारी की है। इस बार राज्योत्सव को 3 दिन से बढ़ाकर 5 दिन तक मनाया जाएगा। 1 से 5 नवंबर तक नवा रायपुर में भव्य आयोजन होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे, जबकि उपराष्ट्रपति समापन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। पीएम 31 अक्टूबर की शाम को रायपुर पहुंचेंगे। इसके साथ प्रदेश में पहली बार भारतीय वायुसेना की टीम एयर शो करेगी। देश के पहले आदिवासी डिजिटल संग्रहालय का होगा उद्घाटन भी किया जाएगा।

आवास योजना के तहत गृह प्रवेश कराया जाएगा : गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि यह आयोजन सिर्फ सांस्कृतिक नहीं होगा, बल्कि इस दौरान लाखों परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गृह प्रवेश भी कराया जाएगा। उन्होंने कहा, राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की आत्मा को महसूस करने और उसे नई ऊंचाई देने का अवसर बनेगा।

पहली बार राज्योत्सव में एयर-शो : छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर राजधानी रायपुर में पहली बार भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम शानदार एयर शो पेश करेगी। यह प्रदर्शन 5 नवंबर की सुबह सेन्ध तालाब के ऊपर होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। करीब 40 मिनट तक चलने वाले इस शो में 9 फाइटर जेट्स और एयरक्राफ्ट आसमान में एक साथ फॉर्मेशन फ्लाइंग और एयरोबेटिक स्टंट्स का रोमांचक प्रदर्शन करेंगे, जो राज्योत्सव के 25वें वर्ष को खास बना देगा।

देश के पहले आदिवासी डिजिटल संग्रहालय का होगा उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर में बने शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर तैयार यह देश का पहला डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें छत्तीसगढ़ के 16 आदिवासी विद्रोहों की झलक देखने-सुनने को मिलेगी। संग्रहालय में वीर नारायण सिंह, सोनाखान विद्रोह, भूमकाल आंदोलन जैसे प्रसंगों की डिजिटल प्रस्तुति की गई है। सरगुजा कलाकारों की नक्काशी, 1400 वर्ष पुराने साल वृक्ष की प्रतिकृति और 14 थीम आधारित गैलरियां इसकी खासियत होंगी। यह संग्रहालय आदिवासी शौर्य, बलिदान और गौरवगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रतीक बनेगा।

नए विधानसभा भवन का शुभारंभ करेंगे मोदी

नवा रायपुर में निर्मित छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन अब पूरी तरह तैयार है। 1 नवंबर को पीएम मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। यह भवन आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त है, जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाई देगी। सदन की सीलिंग में धान की बालियों की सुंदर नक्काशी की गई है। भवन को 3 सेक्टरों में विभाजित किया गया है और सभी सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

शांति शिखर का शुभारंभ,बच्चों से मिलेंगे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवा रायपुर में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग सेंटर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड- शांति शिखर का शुभारंभ करेंगे। यह केंद्र विश्व शांति, आध्यात्मिकता और मानव मूल्यों के प्रसार के लिए समर्पित रहेगा। इसी दिन प्रधानमंत्री सत्य साई हॉस्पिटल में हृदय संबंधी ऑपरेशन करवा चुके बच्चों से भी मुलाकात करेंगे।वे उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी लेकर चिकित्सा टीम से भी बातचीत करेंगे।

दो महीने तक रायपुर में नहीं होगा धरना-प्रदर्शन

तूता धरना स्थल पर रोक,कलेक्टर ने जारी किया आदेश

रायपुर,22 अक्टूबर 2025। राजधानी रायपुर में धरना-प्रदर्शन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर दो महीने तक किसी भी प्रकार के प्रदर्शन, धरना या सभा की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला धरना स्थल के रखरखाव कार्य के चलते लिया गया है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जानकारी दी है कि यह कार्य लगभग दो माह तक चलेगा, और इस दौरान स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है।

इस संबंध में जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आदेश जारी कर दिया है, जिसमें साफतौर पर कहा गया है कि अगला आदेश आने तक धरना-प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा।

वैकल्पिक धरना स्थल तय नहीं

धरना-प्रदर्शन को लेकर अभी तक किसी वैकल्पिक स्थल की घोषणा नहीं की गई है। इससे राजनीतिक दलों,संगठनों और सामाजिक आंदोलनों के लिए प्रदर्शन करने का स्थान फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

क्या है तूता धरना स्थल

तूता धरना स्थल नवा रायपुर के राज्योत्सव मैदान के सामने स्थित है और राज्य स्तर के आंदोलनों, धरनों और प्रदर्शन के लिए आरक्षित स्थल माना जाता है। बीते कुछ वर्षों में यहां कई बड़े राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन हुए हैं।

24 अक्टूबर को नक्सलियों का देशव्यापी बंद का ऐलान

लीडर बोले...नारायणपुर-बीजापुर,कर्रेगुट्टा और झारखंड में रोके ऑपरेशन,700 साथी-जनता की हत्या का आरोप

जगदलपुर,22 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ समेत देश के माओवाद प्रभावित राज्यों में नक्सलियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है। बस्तर में लगातार हो रहे एनकाउंटर, सरेंडर और गिरफ्तारी से नक्सल संगठन बौखलाया हुआ है।

अब नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने एक पत्र जारी कर 24 अक्टूबर को देश व्यापी बंद का ऐलान किया है। दरअसल, नक्सल संगठन के लीडर्स ने नक्सली अभय के नाम से पर्चा जारी किया है। करीब 2 पेज के पर्चे में लिखा हुआ है कि साल 2022 से अब तक अलग-अलग जगह चलाए गए नक्सल ऑपरेशन में फोर्स ने 700 नक्सल साथी और आम नागरिकों की हत्या की है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री कह रहे हैं कि 31 मार्च 2026 तक देशभर से नक्सलवाद खत्म कर दिया जाएगा।

इन जगहों पर बढ़ी पुलिस की पैठ : कर्रेगुट्टा,बीजापुर,सुकमा,नारायणपुर और झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चल रहे हैं। वहीं माओवाद संगठन इन ऑपरेशंस के खिलाफ 18 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक विरोध सप्ताह मना रहा है। इसी के साथ ही 24 अक्टूबर को देश भर में बंद का ऐलान किया गया है। नक्सली अभय के पर्चे में लिखा है कि पिछले साढ़े 5 महीने में नक्सल संगठन को बड़ा नुकसान हुआ है। सेंट्रल कमेटी के नक्सली बालकृष्णा,चंद्रहासा,लोकेश,कट्टारामचंद्र रेड्डी, कडारी सत्यनारायण रेड्डी समेत अन्य सेंट्रल कमेटी, SZC, DKSZCM, DVCM, ACM जैसे कैडर के नक्सलियों को मारा गया है। इसलिए अब ऑपरेशन रोकने की बात कही गई है।

15 दिन के अंदर 271 नक्सलियों का सरेंडर

बता दें कि, फोर्स के बढ़ते दबाव के चलते पिछले 15 दिनों के अंदर ही महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 271 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। महाराष्ट्र में नक्सली प्रवक्ता भूपति ने अपने 60 साथियों के साथ हथियार डाला। इधर, छत्तीसगढ़ में नक्सली लीडर रूपेश समेत अपने 210 नक्सलियों ने भी हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। ये सभी नक्सली अपने साथ हथियार लेकर आए थे। जिसे पुलिस को सौंप दिया गया।

गोवर्धन पूजा पर भूपेश बघेल ने कहा...छत्तीसगढ़िया प्राइड को खत्म कर रही है सरकार

रायपुर,22 अक्टूबर 2025। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। गोवर्धन पूजा के मौके पर अपने सरकारी बंगले में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार न तो विश्व आदिवासी दिवस मनाती है, न ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्यौहारों को महत्व देती है। बघेल ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारा जुड़ाव भी है। उन्होंने परिवार सहित गाय की पूजा, सोहाई बांधने और खिचड़ी खिलाने की परंपरा निभाई। इस अवसर पर राउत नाचा की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को पूरी तरह से छत्तीसगढ़ी रंग में रंग दिया।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति को हाशिये पर डाल रही है बीजेपी

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं और त्योहारों को नजरअंदाज कर रही है। सरकार न आदिवासी दिवस मना रही है, न गोवर्धन पूजा, न छेरछेरा...ये त्यौहार सिर्फ वोट बैंक की राजनीति में शामिल नहीं हैं इसलिए इन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। बघेल ने कहा कि बीजेपी को सिर्फ धर्म के नाम पर वोट लेना आता है, लेकिन संस्कृति बचाने में कोई रुचि नहीं है। आज छत्तीसगढ़ की आत्मा को पीछे धकेलने का षड्यंत्र चल रहा है।

छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को कमजोर कर रही सरकार

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़िया पहचान और गर्व (प्राइड) को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। हमने तीज,त्योहार, संस्कृति और बोली-बानी को सरकार की प्राथमिकता बनाया था। लेकिन अब वह भावना खत्म की जा रही है।

बिलासपुर में 4 इंस्पेक्टर का तबादला

दिवाली के बाद एसएसपी ने किया बड़ा फेरबदल

बिलासपुर,22 अक्टूबर 2025। राजधानी रायपुर में धरना-प्रदर्शन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर दो महीने तक किसी भी प्रकार के प्रदर्शन,धरना या सभा की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला धरना स्थल के रखरखाव कार्य के चलते लिया गया है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जानकारी दी है कि यह कार्य लगभग दो माह तक चलेगा,और इस दौरान स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। इस संबंध में जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आदेश जारी कर दिया है, जिसमें साफतौर पर कहा गया है कि अगला आदेश आने तक धरना-प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तालाब में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। ग्राम हिरोलीपारा में 21 अक्टूबर की दोपहर तीनों बच्चों बिलासपुर में दिवाली के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने बड़ा फेरबदल करते हुए थानेदार और पुलिस अफसरों का तबादला किया है। जारी आदेश के अनुसार चार इंस्पेक्टर, 7 एसआई, 2 एएसआई, 17 हेड कॉन्स्टेबल और 31 कॉन्स्टेबल को एक थाने से दूसरे थाने भेजा गया है। कोनी थाना प्रभारी राहुल तिवारी को हटाकर पुलिस नियंत्रण कक्ष भेजा गया है एसएसपी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, यह सभी तबादले तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। इस फेरबदल से थानों के प्रभार में बदलाव के साथ पुलिस नियंत्रण कक्ष और थानों के बल में की सुरक्षा व्यवस्था में भी परिवर्तन हुआ है। जारी तबादला आदेश के अनुसार, कोनी टीआई राहुल तिवारी की जगह मोपका चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर भावेश शेन्डे को कोनी थाने की जिम्मेदारी दी गई है। सीपत टीआई गोपाल सतपथी को सीपत थाने से साइबर सेल इंचार्ज बनाया गया है। उनकी जगह साइबर सेल प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश मिश्रा को सीपत भेजा गया है। बेलगहना चौकी प्रभारी और एसआई राज सिंह को पचपेड़ी थाने भेजा गया है।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने किया गौपूजन,प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर,22 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास रायपुर में स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौमाता की पूजा-अर्चना की और गौ माता को खिचड़ी खिलाकर गोसेवा की परंपरा निभाई। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि,शांति और खुशहाली की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति,गौवंश और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन पर्व है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने गौशाला में सेवा कर रहे गौसेवकों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

उन्होंने गौसेवा के लिए उनकी सराहना करते हुए सभी से गौवंश की रक्षा एवं संरक्षण के कार्यों में आगे आने का आग्रह किया। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौसेवकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गौशाला में गौवंश की देखरेख की सभी व्यवस्था मौजूद है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारे जीवन में प्रकृति, अन्न और पशुधन के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। गाय भारतीय संस्कृति की आधारशिला है, जो न केवल हमारे ग्रामीण जीवन से जुड़ी है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और आस्था दोनों का केंद्र भी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी में गोसेवा और प्रकृति पूजन की भावना गहराई से रची-बसी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय,अन्न और धरती का सम्मान करना उस मातृशक्ति को प्रणाम करना है,जिससे हमारा जीवन जुड़ा है। जब हम इन्हें नमन करते हैं, तब हम अपनी संस्कृति की जड़ों, अपनी आत्मा की गहराइयों और समृद्धि के स्रोतों को स्पर्श करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में गाय गौमाता के रूप में पूजनीय है और इसी भावना के साथ राज्य सरकार गोसेवा को ग्रामीण विकास की धुरी बनाने के लिए कार्य कर रही है।

मंत्रालय में अब आधार से लगेगी हाजिरी

1 दिसंबर से नवा रायपुर के महानदी भवन में AEBAS सिस्टम से लगानी होगी हाजिरी,रजिस्ट्रेशन शुरू

रायपुर,22 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने महानदी भवन स्थित मंत्रालय में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के अटेंडेंस में बड़ा बदलाव किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह नई प्रणाली आगामी 1 दिसंबर 2025 से पूरी तरह लागू हो जाएगी। GAD ने इस संबंध में सभी विभागों के सचिवों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 7 नवंबर 2025 तक AEBAS पोर्टल पर अपना स्व-पंजीकरण अनिवार्य रूप से पूरा करने को कहा है। इसके बिना 1 दिसंबर के बाद उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाएगी।

10 साल की बच्ची की आंख में घुसी घंटी

बिलासपुर में दिवाली पूजा के दौरान खेलते समय गिरी

बिलासपुर,22 अक्टूबर 2025। बिलासपुर के मस्तूरी में खेलते-खेलते एक बच्ची की आंख में घंटी घुस गई। जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। सिम्स में शुरुआती इलाज के बाद उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं, दिवाली त्योहार के दौरान पटाखों से झुलसकर 40 से अधिक लोग घायल हो गए,जिन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। दरअसल, दीपावली पर सिविल लाइन क्षेत्र का एक परिवार रात में पूजा की तैयारी कर रहा था। इस दौरान 10 साल की बच्ची काव्या पटाखे चलाने के लिए दौड़ रही थी। अचानक उसका पैर किसी सामान से टकराया, जिससे वो गिर गई। इस दौरान पूजा करने के लिए रखी घंटी उसके आंख में घुस गई।

खून से लथपथ बच्ची का रो-रोकर बुरा हाल : इस हादसे में बच्ची खून से लथपथ होकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी हालत देखकर परिजन भी

घबरा गए। देखते ही देखते घर में दिवाली की खुशियां मातम में बदल गई। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए सिम्स लेकर पहुंचे। सिम्स में शुरुआती इलाज के बाद बच्ची का एक्स-रे और सिटी स्कैन कराया गया। घंटी उसकी आंख की झिल्ली के साथ ही मस्तिष्क तक पहुंच गया। जिस कारण न्यूरो सर्जरी की आवश्यकता हुई। लिहाजा, सिम्स से बच्ची को रायपुर रेफर कर दिया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

तालाब में फूल निकालने उतरे 3 बच्चे डूबे, मौत

इनमें दो लड़के, एक लड़की, पूरे परिवार ने साथ मनाई थी दिवाली

बीजापुर, 22 अक्टूबर 2025। राजधानी रायपुर में धरना-प्रदर्शन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर दो महीने तक किसी भी प्रकार के प्रदर्शन, धरना या सभा की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला धरना स्थल के रखरखाव कार्य के चलते लिया गया है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जानकारी दी है कि यह कार्य लगभग दो माह तक चलेगा, और इस दौरान स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। इस संबंध में जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आदेश जारी कर दिया है, जिसमें साफतौर पर कहा गया है कि अगला आदेश आने तक धरना-प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तालाब में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। ग्राम हिरोलीपारा में 21 अक्टूबर की दोपहर तीनों बच्चों की लाश तालाब में तैरती मिली। इनमें 2 लड़के और 1 लड़की शामिल है। घटना गंगालूर थाना क्षेत्र की है। तीनों बच्चों की उम्र 3 से 5 साल की है। बताया जा रहा है बच्चे तालाब के पास खेलने गए थे। तालाब में फूल निकालने के लिए उतरे थे और गहरे पानी में समा गए। फिलहाल घटना को 24 घंटे का वक्त हो गया है। शवों का पोस्टमॉर्टम जारी है। जिसके बाद गांव में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

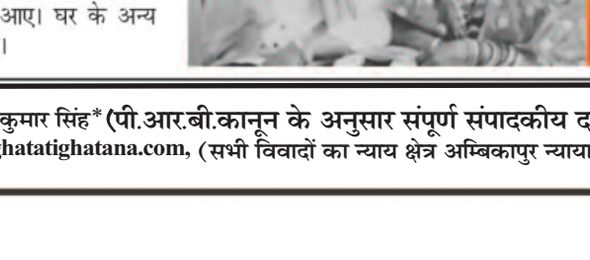

पिता गाय चराने गए थे,वापस आए तो शव तैरता दिखा

मृतकों में नवीन हपका (उम्र 3) और मनीता हपका (उम्र 5) एक ही घर के बच्चे थे। उनके पिता मोटू हपका ने बताया कि मंगलवार दोपहर की घटना है। वे गाय चराने गए थे। घर वापस आकर पत्नी से पूछा तो उसने कहा बच्चे आसपास ही कहीं होंगे। तब मैंने तालाब जाकर देखा तो बच्चों के कपड़े पानी में तैरते दिखे। सबसे पहले एक शव मिला जिसके बाद मैंने मोहल्ले वालों को बुलाया तो कुल तीन बच्चों के शव तालाब में मिले। तालाब में फूल वगैरह थे तो खेलते खेलते बच्चे तालाब में उतरे होंगे पानी गहरा होने की वजह से बाहर नहीं निकल पाए।

तालाब में पहले भी हो चुका है हादसा : मृतक दिनेश कोरसा (3) के पिता लच्छू कोरसा ने बताया कि खेलते खेलते बच्चे गहरे पानी में चले गए। परिजनों ने बताया कि जिस तालाब में डूबकर बच्चों की मौत हुई है उसके भी मालिक की मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में मनीता हपका स्कूल जाती थी। बाकी दोनों बच्चे आंगनबाड़ी में पढ़ने जाते थे। घटना से एक दिन पहले ही सभी परिवार वालों ने मिलकर दिवाली त्योहार मनाया था। दूसरे दिन ही बच्चों की मौत हो गई। सभी आस-पड़ोस में ही रहते थे।

पत्नी की हत्या के बाद इंस्टाग्राम पर मौत का स्टेटस : लिखा-जान सहित मार दिया, फिर खुद फांसी लगाकर किया सुसाइड

धमतरी,22 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद खुद आत्महत्या कर ली। पति ने पत्नी की हत्या के बाद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी शेयर किया। पोस्ट में उसने पत्नी के माता-पिता को इसके लिए जिम्मेदार बताया। युवक ने लिखा- पत्नी को जान सहित मार दिया हूं, पत्नी के मां-बाप के वजह से मारा हूं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना थाना मगरलोड के करेलीबड़ी चौकी क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार लक्ष्मी यादव (20) की शादी एक साल पहले हरदी गांव के हितेश यादव (22) से हुई थी। हितेश ने अपनी भाभी की छोटी बहन लक्ष्मी से शादी की थी। घर में मां-बाप और भाई-भाभी भी साथ रहते थे। घटना 20 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे की है। बताया जा रहा है कि उस रात दोनों पति-पत्नी अपने कमरे में सोने गए थे। अगली सुबह यानी 21 अक्टूबर को करीब 7 बजे,जब दोनों काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आए। घर के अन्य सदस्यों को शक हुआ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)